

बिना नक्शा पास कराए किए जा रहे निर्माण कार्यों पर रोक

नवप्रदेश/बोकारो। चास नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्रांतर्गत बिना नक्शा पास कराए किए जा रहे निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है। नगर निगम ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बिना भवन नक्शा स्वीकृत जीबी कराए किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य किए जाने पर संबंधित निर्माण को तत्काल बंद करया जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई झारखंड नगर पालिका अधिनियम एवं भवन निर्माण से संबंधित निर्धारित नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने हेतु की जा रही है। अधिनियम के तहत बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण कार्य करना नियम विरुद्ध माना गया है। नगर निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी भवन निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक भवन नक्शा स्वीकृति एवं अन्य वैधानिक अनुमति अवश्य प्राप्त करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई या निर्माण अवरोध की स्थिति उत्पन्न न हो।

उत्कृमित मध्य विद्यालय, तीसरी में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, 167 बच्चों की हुई जांच

नवप्रदेश/चतरोबट्टी। गोमिया प्रखंड अंतर्गत चतरोबट्टी थाना क्षेत्र में स्थित उत्कृमित मध्य विद्यालय, तीसरी में डीवीसी कोनार डिस्पेंसरी एवं सीएसआर कोनार के संयुक्त तत्वाधान में सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के 167 स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।इस अवसर पर कोनार परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह ने कहा कि तीसरी गांव डीवीसी के सीएसआर क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यहाँ के ग्रामीणों एवं बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना डीवीसी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉ. बी. एन. मंडल ने बच्चों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की तथा बदलते मौसम में स्वस्थ रहने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में बताया।शिविर के सफल संचालन में अमन टोपो, नंदलाल, विवेक केरकेट्टा, बिरजा गंजु, चेतलाल एवं रणजीत का महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस स्वास्थ्य शिविर से बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा डीवीसी की सामाजिक प्रतिबद्धता भी स्पष्ट रूप से सामने आई।

आर्थिक तंगी के बीच परी कुमारी की शिक्षा का मिला सहारा, आठवीं कक्षा तक निःशुल्क पढ़ाई की व्यवस्था

नवप्रदेश/चतरोबट्टी। गोमिया प्रखंड के चतरोबट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिलैया निवासी स्वर्गीय मुखली महतो के लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर होने के कारण उनकी पुत्री परी कुमारी, जो ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल, चतरोबट्टी में यूकेजी की छात्रा हैं, की पढ़ाई जारी रखना कठिन हो गया था।परिवार की इस परिस्थिति को देखते हुए संवेदनशील पहल करते हुए स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया गया। बातचीत के बाद विद्यालय प्रशासन ने परी कुमारी की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने के लिए आठवीं कक्षा तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। इस संबंध में विद्यालय द्वारा जारी प्रमाण पत्र परी कुमारी के परिजनों को सौंपा गया। साथ ही, शोकाकुल परिवार को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया, ताकि वे इस कठिन समय में कुछ राहत महसूस कर सकें।इस मानवीय पहल से न केवल एक बच्ची की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है, बल्कि यह समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण भी बना है कि सामूहिक प्रयास से जरूरतमंद परिवारों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है।

गुमला में विद्यार्थियों के लिए समर हॉलीडे होमवर्क असाइनमेंट तैयार करने की पहल

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में समर हॉलिडे असाइनमेंट तैयार कर सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सतत सुधार, स्व-अध्ययन की आदत विकसित करने तथा ग्रीष्मावकाश अवधि का शैक्षणिक रूप से उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इसके माध्यम से ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थियों की पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी तथा कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास का अवसर मिलेगा।इस संबंध में सुश्री कविता खलखो जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, गुमला द्वारा जिला स्तरीय शैक्षणिक कोर टीम के सभी विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को निर्देश जारी किया गया है। निर्देश में कहा गया है कि तैयार किए जाने वाले असाइनमेंट में वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय एवं गतिविधि आधारित प्रश्नों को शामिल किया जाएगा। साथ ही सभी सामग्री को बोर्ड परीक्षा उन्मुख, ज्ञानवर्धक एवं अभ्यास आधारित बनाने पर बल दिया गया है, जिससे विद्यार्थियों में लेखन कौशल, तार्किक क्षमता एवं अवधारणात्मक समझ का विकास हो सके।इस कार्य हेतु जिला स्तर पर एक टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया है, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों को शामिल किया गया है। सभी विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को 18 मई 2026 तक विषयवार समर हॉलिडे होमवर्क असाइनमेंट तैयार कर विद्यालयों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी टेक्निकल मै ‘अपूर्व’ सांस्कृतिक समागम समारोह आयोजित

नवप्रदेश/बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी टेक्निकल कैम्पस, कांड्रा, पुरूलिया रोड, चास बोकारो में ‘अपूर्व’२०२६ सांस्कृतिक समागम एवं विवादों समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के उदघाटन हेतु भारतीय डाक सेवा के वरिष्ठ पदाधिकारी झारखंड डाक सर्किल के चीफ पोस्ट मास्टर जेनरल संजीव रंजन, राँची से मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। एन एस एफ के केडेक्स ने उनका गार्ड ऑफ ऑनर देकर भव्य स्वागत किया। इस रंगारंग कार्यक्रम में कविता पाठ, पारंपरिक नृत्य, संगीत और फैशन

शो की प्रस्तुति की गई। रांची से आये सी. पी. एम.जी., संजीव रंजन ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में प्रस्तुत होकर काफी अच्छा लगा और यहां का संस्था तथा निदेशक प्रोफेसर डॉ॰ प्रियदर्शी जरुहार के नेतृत्व में व्यवसायिक और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के छात्रों को

जारी करने पर सधन्यवाद दिया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के बाद सामूहिक रात्रि भोजन का आयोजन किया गया। इसमें लगभग ६०० छात्र छात्राओं ने उमंग और उल्लास से भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जी. जी. ई. एस. शणुल्लवी प्रसाद, प्रो. अपूर्वा सिंहा, प्रो. रश्मि ठाकुर, डॉ. वैभव गुप्ता, प्रो. महमूद आलम, प्रो. शहनाज फरहीन, प्रो. सुमित कुमार पांडेय, अनुवर्तित एक्का। छात्रों में सहिबा, अकरम, पलक कुमारी, जसप्रीत सिंह ने अहम भूमिका निभाई।

उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा का अवसर प्रदान कर अच्छी प्लेसमेंट का भी अवसर प्राप्त कर उच्च पदों पर पदास्थापित हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी से अध्यक्ष तरसेम सिंह तथा सचिव सुरेन्द्र पात्रा सिंह उपस्थित थे। उन्होंने डॉ. जरुहार को उनके नाम पर सी. पी. एम.जी., संजीव रंजन द्वारा व्यक्तिगत डाक टिकट

जारी करने पर सधन्यवाद दिया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के बाद सामूहिक रात्रि भोजन का आयोजन किया गया। इसमें लगभग ६०० छात्र छात्राओं ने उमंग और उल्लास से भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जी. जी. ई. एस. शणुल्लवी प्रसाद, प्रो. अपूर्वा सिंहा, प्रो. रश्मि ठाकुर, डॉ. वैभव गुप्ता, प्रो. महमूद आलम, प्रो. शहनाज फरहीन, प्रो. सुमित कुमार पांडेय, अनुवर्तित एक्का। छात्रों में सहिबा, अकरम, पलक कुमारी, जसप्रीत सिंह ने अहम भूमिका निभाई।

नवप्रदेश/गुमला। बालगृह के निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला जज महोदय ने यह जांच की कि साधारण बच्चों, दिव्यांग बच्चों तथा विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों के लिए पृथक रहने की समुचित व्यवस्था है अथवा नहीं। उन्होंने बच्चों के भोजन, खेलकूद, रहन-सहन, शिक्षा, साफ-सफाई, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था सहित कर्मचारियों की नियुक्ति एवं उनकी योग्यता से संबंधित विस्तृत जानकारी बालगृह के पदाधिकारियों से प्राप्त की। साथ ही बच्चों से भी सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने दिक्षिणी छोटानागपुर की जिम्मेदारी बालगृह के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि माननीय झालसा की समिति द्वारा अनुशंसित सभी सुविधाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा रसोईघर एवं संपूर्ण परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखा जाए। उन्होंने यह

भी कहा कि भविष्य में किसी भी दिन पुनः औचक निरीक्षण किया जाएगा। तत्पश्चात माननीय प्रधान जिला जज महोदय सप्रेक्षण गृह पहुंचे, जहां उन्होंने किशोर न्याय बोर्ड कार्यालय का निरीक्षण किया तथा सप्रेक्षण गृह के पदाधिकारियों से विस्तृत बातचीत की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग एवं जिम्मेदार रहने का निर्देश देते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने बच्चों से भी मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी। बच्चों द्वारा किसी प्रकार की शिकायत नहीं की गई तथा उन्होंने बताया कि उन्हें अच्छा भोजन, शिक्षा एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला जज महोदय ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे सप्रेक्षण गृह में रहते हुए अपनी पढ़ाई पर

ध्यान केंद्रित करें तथा भविष्य में अच्छे नागरिक बनें। इसके उपरांत माननीय प्रधान जिला जज महोदय ने वृद्धाश्रम का निरीक्षण कर वहां रह रहे वृद्धजनों से मुलाकात की तथा भोजन, पेयजल, आवास एवं चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वयं भी सभी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसी क्रम में माननीय प्रधान जिला जज महोदय ने मूक-बधिर विद्यालय का भी निरीक्षण किया। वहां उन्होंने बच्चों के रहने, भोजन एवं शिक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय के हृद्दिवांधित शिक्षक द्वारा ब्रेल लिपि में पढ़ने एवं लिखने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री राम कुमार लाल गुप्ता, प्रभारी न्यायाधीश श्री प्रतिक राज, स्थाई लोक अदालत के सदस्य श्री शंभू सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नियमित उच्च रक्तचाप की जांच कराएं, आकस्मिक मौत को मात दें: डॉ. एनपी



मौत को मात दें। उन्होंने कहा, ६उच्च रक्तचाप को अक्सर 'साइलेंट किलर' (ख़ील्ल३ ड़'१२) कहा जाता है, क्योंकि आमतौर पर इसके कोई सटीक लक्षण दिखाई नहीं देते। लेकिन यह चुपके से दिल का दौरा (हार्ट अटैक), स्ट्रोक, गुर्दे (किडनी) की बीमारी और असमय मृत्यु के खतरे को बढ़ा देता है। यदि लोग जागरूक रहें और समय-समय पर

जांच कराते रहें, तो इससे आसानी से बचा जा सकता है। मुफ्त दवाओं को कोई कमी नहीं डॉ. सिंह ने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर उच्च रक्तचाप से संबंधित दवाएं प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। कोई भी नागरिक नजदीकी केंद्र पर जाकर अपनी मुफ्त जांच करवा सकता है और आवश्यकतानुसार दवा प्राप्त

बीपी से बचना है तो इन बातों का रखें ध्यान

- 30 वर्ष की उम्र के बाद साल में कम से कम दो बार बीपी की जांच जरूर कराएं।
- भोजन में नमक की मात्रा कम करें और संतुलित आहार लें।
- प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम या वॉक करें।
- तंबाकू, सिगरेट और शराब के सेवन से पूरी तरह दूरी बनाएं।

कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यक्रम सहायक आरती कुमारी मिश्रा ने चौंकाने वाले आंकड़े साझा किए। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बोकारो जिला के अंतर्गत कुल 3,17,677 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस जांच में कुल 61,923 लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित पाए गए, जिन्हें विभाग की ओर से नियमित उपचार और परामर्श दिया जा रहा है। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो जांच कराने

वाले हर 5 में से 1 व्यक्ति इस बीमारी की चपेट में है, जो बेहद चिंताजनक है। जागरूकता अभियान के शुभारंभ के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मुस्तैद दिखी। कार्यक्रम में सदर उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह के साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक हिना, आशीष डीन, कंचन कुमारी, आरती कुमारी मिश्रा, मोहम्मद असलाम, असीम कुमार और सुजाता आरोहन सहित कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

घाघरा में आयोजित अंचल दिवस में उपायुक्त पहुंचे

जमीन संबंधी मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

नवप्रदेश/गुमला। घाघरा अंचल दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त दिलेश्वर महतो शामिल हुए। इस दौरान अपर समाहर्ता शशिंद्र कुमार बड़ाइक, अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) राजीव नौरज, डीसीएलआर गुमला राजीव कुमार, अंचल अधिकारी घाघरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी घाघरा सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अंचल दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें अधिकांश मामले जमीन से संबंधित थे। कार्यक्रम के दौरान राजस्व एवं भूमि से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया, वहीं शेष जटिल मामलों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ग्रामीणों ने भूमि मापी, दाखिल-खारिज, रसीद निर्गमन एवं सीमांकन जैसी



समस्याएं प्रमुख रूप से रखीं। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व से जुड़े मामलों का निष्पादन पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन लोगों

की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अंचल दिवस जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान संभव हो सके।इस अवसर पर उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने कहा कि ढूअंचल दिवस के माध्यम से हम

लोगों तक प्रशासन की पहुंच को और मजबूत बना रहे हैं। जमीन से जुड़े मामले आम लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, इसलिए इनका समय पर समाधान हमारी प्राथमिकता है। आज कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया है, और शेष मामलों को भी शीघ्रता से सुलझाने का निर्देश दिया गया है। हमारा प्रयास है कि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर समाधान मिल सके। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करें।कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

शिल्पी नेहा तिकीं बोलीं- एसआईआर भाजपा का बड़ा हथियार, कार्यकर्ता रहें सतर्क

नवप्रदेश/गुमला। मंत्री शिल्पी नेहा तिकीं ने कहा कि कम समय में बैठक आयोजित होना बंधु तिकीं की कर्मठता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संगठन और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। एसआईआर अभियान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 30 जून से अभियान शुरू होगा, जिसमें बीएलओ घर-घर जाकर कार्य करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने और लोगों की दस्तावेज संबंधी समस्याओं में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर भाजपा का बड़ा राजनीतिक हथियार बन सकता है और इसके माध्यम से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हलाने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा में 20 से 30 हजार वोटरों की कटौती की आशंका है, इसलिए कार्यकर्ताओं



को जागरूक रहना होगा।साथ ही उन्होंने सुखे की संभावना को देखते हुए किसानों के हित में काम करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 20 और 22 मई को कृषि कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। गुमला जिले में मडुआ की खेती को बढ़ावा देने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि एक एकड़ मडुआ खेती पर किसानों को तीन हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। बैठक को मंचासीन अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पॉलिटिकल अफेयर्स

जिम्मेदारी नहीं निभाने वालों की भेजी जाएगी रिपोर्ट : बंधु

नवप्रदेश/गुमला। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल अंतर्गत रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा एवं सिमडेगा जिला की संयुक्त बैठक बाईपास रोड स्थित स्वर्णभूमि पैलेस में आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से कांग्रेस के प्रमंडल प्रभारी बंधु तिकीं, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिकीं, प्रदेश सचिव अकील रहमान, प्रदेश सचिव रोशन बरवा, खूंटी जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा तथा प्रदेश संयोजक पीटर मुंडू उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत बूके एवं अंगवस्त्र देकर किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए बंधु तिकीं ने कहा कि हाल ही में कई समितियों का गठन किया गया है और कंपेंजिंग कमिटी के तहत दक्षिणी छोटानागपुर की जिम्मेदारी उन्हें मिली है। उन्होंने कहा कि पांचों प्रमंडलों में यह पहली बैठक है और संगठन को मजबूत करने के लिए सभी पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

प्रधान जिला जज ने की बालगृह, सप्रेक्षण गृह, वृद्धाश्रम एवं मूक-बधिर विद्यालय का निरीक्षण

एक नजर

रात्री गश्ती पर एसपी का औचक निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जवानों को किया अलर्ट

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में विधि-व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार देर रात विभिन्न क्षेत्रों में तैनात पेट्रोलिंग पार्टी एवं रक्षक राइडर जवानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इयुटी पर मौजूद



जवानों की सतर्कता, कार्यशैली और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। एसपी ने गश्ती दलों से क्षेत्र की गतिविधियों, संवेदनशील इलाकों की निगरानी तथा रात्रि गश्ती के दौरान की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जवानों को निर्देश दिया कि रात के समय संदिग्ध गतिविधियों, असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों पर विशेष नजर रखें तथा किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी पुलिस पदाधिकारी एवं जवान पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान वाहनों की जांच, गश्ती रजिस्टर, वायरलेस संचार व्यवस्था एवं जवानों की उपस्थिति की भी जांच की गई। एसपी ने इयुटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

तेलो पश्चिमी पंचायत में 15वीं वित्त आयोग योजना मद से तीन योजनाओं का शिलान्यास

नवप्रदेश/बोकारो। चंद्रपुरा प्रखंड के तेलो पश्चिमी पंचायत में 15वीं वित्त आयोग योजना मद से लालबंघ दुर्गारिया में कुप मरम्मत की कार्य, खचलो में नवाबंध शिव मंदिर



परिसर के बगल में स्नान घाट निर्माण, श्री नगर टोला में आम पेड़ में चबूतरा निर्माण तीन विकास योजनाओं का शिलान्यास तेलो पश्चिमी पंचायत मुखिया जितेंद्र शर्मा ने विधिवत पूजा अर्चना करते हुए नारियल फेंड़ किया। मुखिया जितेंद्र शर्मा ने कहा कि गाँव का विकास ही असली विकास है। इसी सोच के साथ 15वीं वित्त आयोग की योजना मद से आज हम तीन महत्वपूर्ण योजनाओं की नींव रख रहे हैं। साथ ही कहा कि 15वीं वित्त आयोग का पैसा जनता का पैसा है। इसका एक-एक रुपया आपके विकास पर खर्च होगा। मैं संवेदक से कहना चाहता हूँ की काम में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। समय पर काम पूरा करें। और मैं आप सब ग्रामीणों से कहना चाहता हूँ ये काम आपका है, आप खुद निगरानी रखें। ताकि मजबूती के साथ काम हो। पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र महतो ने ग्रामीणों से अपील करता हुए कहा कि आप भी इन कार्यों की निगरानी करें। ये आपका पैसा है, आपका भी गाँव है, निगरानी करने से ही अच्छे से कम होगा साथ ही उन्होंने कहा कि तेलों के सभी लोगों के सहयोग से आने वाले दिनों में तेलो पश्चिमी पंचायत को मॉडल पंचायत बनाएंगे। इस दौरान प्रयाग ह्जाम, चितामन रजक, राजू तुरी, भुनेश्वर तुरी, बब्लू तुरी, गीता देवी, दौलत महतो, केडी महतो समेत काफी संख्या में लोग थे।

जैप-4 गेट के पास ठल्ल-23 पर भीषण भिड़ंत, एयरबैग खुलने से टला बड़ा हादसा

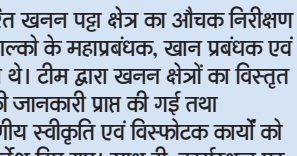
नवप्रदेश/बोकारो। सेक्टर-12 थाना क्षेत्र अंतर्गत जैप-4 गेट के समीप एनएच-23 पर शनिवार को दो बेटों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना



जबरदस्त था कि टक्कर की आवाज सुन आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। हालाँकि राहत की बात यह रही कि दोनों वाहनों के एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और कार सवार लोगों की जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए एनएच-23 पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों कारों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। मिली जानकारी के अनुसार कोऑपरेटिव कॉलोनी निवासी विमल अपनी कार से घनबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लोहांचल की तरफ से आ रही एक महिला चालक अचानक पुलिस लाइन रोड की ओर मुड़ गई। अचानक सामने वाहन आने से विमल की कार अनियंत्रित हो गई और दोनों वाहनों में सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में महिला चालक घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं अन्य लोग बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।सूचना मिलते ही सेक्टर-12 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

हिंडाल्को के खनन क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण नियमों के अनुपालन एवं सुरक्षा पर जोर

नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त, गुमला के निर्देशानुसार अनुमंडल पदाधिकारी, गुमला की अध्यक्षता में जिला खनन पदाधिकारी, अंचलाधिकारी बिश्नपुर, थाना प्रभारी गुरदारी एवं खनन निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से हिंडाल्को



कंपनी के मौजा गुरदारी स्थित धारित खनन पट्टा क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हिंडाल्को के महाप्रबंधक, खान प्रबंधक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। टीम द्वारा खनन क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण करते हुए खनन पद्धति की जानकारी प्राप्त की गई तथा अनुमोदित खनन योजना, पर्यावरणीय स्वीकृति एवं डिस्पैटक कार्यों को नियमानुसार संचालित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया। निरीक्षण के क्रम में अन्य बिंदुओं की भी जांच की गई तथा खनन कार्य पूर्ण हो चुके क्षेत्रों में सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।इस दौरान रणत सत्य प्रकाश हुहुरिया द्वारा उपायुक्त को दिए गए आवेदन के आलोक में उनकी भूमि पर सहमति के बिना खनन कार्य किए जाने की शिकायत की भी जांच की गई। हालाँकि, आवेदक की अनुपस्थिति के कारण अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी, बिश्नूपुर को निर्देशित किया गया कि आवेदक, कंपनी प्रतिनिधि, मुखिया एवं ग्राम प्रधान सहित अन्य संबंधित पक्षों की उपस्थिति में तिथि निर्धारित कर भूमि का मापन सुनिश्चित किया जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं बीपीएचयू गम्हरिया का उपायुक्त ने किया अचौक निरीक्षण

एक्सपायर दवाओं का सुरक्षित एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश

नवाघ ढेश/सरायके ला। सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त नीतिश कुमार सिंह के द्वारा शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गम्हरिया एवं बीपीएचयू (ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट) गम्हरिया का औचक निरीक्षण किया गया। ज्ञात हो कि दिनांक 09 मई 2026 को अनुमंडल पदाधिकारी, सरायकेला द्वारा सीएचसी गम्हरिया का औचक निरीक्षण किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं से संबंधित विभिन्न प्रकार की त्रुटियां एवं



अनिश्चितताएं पाई गई थीं। इसी के

आलोक में स्वास्थ्य व्यवस्था में

सुधार, आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा लापरवाही पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा महिला एवं पुरुष वार्ड, प्रतीक्षालय, दवा भंडार कक्ष, स्टॉक रूम, चिकित्सा वार्ड, जांच घर, पेयजल एवं शौचालय व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, जनरेटर, इनवर्टर, सोलर व्यवस्था, बीपीएचयू सहित अस्पताल परिसर में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर एवं स्टोर

रूम में अनुपयोगी एवं कचरा स्वरूप पड़े सामानों को हटाकर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जनरेटर व्यवस्था को अविलंब दुरुस्त करने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। दवा स्टॉक रूम के निरीक्षण के दौरान कई प्रकार की एक्सपायर एवं आगामी माह में एक्सपायर होने वाली दवाएं पाई गईं। इस पर उपायुक्त ने गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी को अनुमंडल स्तर से टीम गठित

कर संपूर्ण स्टोर रूम की जांच कराने का निर्देश दिया। साथ ही उपलब्ध दवाओं एवं अन्य सामग्रियों का स्टॉक मिलान करने तथा स्टोर रूम में रखी गई सामग्रियों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अनुपयोगी एवं जर्जर सामग्रियों की सूची तैयार कर समिति गठित करते हुए नियमानुसार नीलामी की प्रक्रिया संचालित करने तथा एक्सपायर दवाओं का सुरक्षित एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

खरसावां शैली के छऊ गुरु निर्मल कुमार विषय का निधन

नवप्रदेश/खरसावां। छऊ के प्रख्यात गुरु और विभिन्न बीमारियों के जड़ी बूटियां से इलाज करने वाले गुणी श्री निर्मल कुमार विषय का आज सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनकर खरसावां में शोक की लहर दौड़ गई। कलाकारों और स्थानीय लोगों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने उनका अंतिम दर्शन किया। उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए छऊ विशेषज्ञ मोहम्मद दिलदार ने कहा की विषय परिवार का विशेष कर खरसावां छऊ शैली के विकास में भारी योगदान रहा है।खरसावां के तलसाई निवासी स्वर्गीय निर्मल का अंतिम संस्कार खरसावां के तलसाई स्थित रमशान घाट में किया गया। उनके अंतिम दर्शन में छऊ कलाकारों में गुरु बसंत कुमार गणतयात, सुदीप कुमार घोड़ेई, पिनाकी रंजन, नित्या शंकर नंदा, नयन नायक, समीर नायक, दयाल लेंट, मुकेश कुमार घोड़ेई सहित कई लोग शामिल थे।

ईचागढ़ थाना क्षेत्र में अवैध बालू परिवहन के विरुद्ध खनन विभाग की कार्रवाई, एक ट्रैक्टर जप्त

नवप्रदेश/ईचागढ़। सरायकेला - खरसावां जिले के उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निदेशानुसार शुक्रवार को जिला खनन पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां के नेतृत्व में ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी घाटों में औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के क्रम में जारगोडीह क्षेत्र में बालू खनिज का अवैध परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर वाहन को विधिवत जप्त किया गया। जप्त वाहन को अग्रतर कार्रवाई हेतु ईचागढ़ थाना को सुरक्षार्थ सुधुर्द किया गया है। मामले में विभागीय नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके उपरांत अपराह में नीमडीह थाना अंतर्गत एकलव्य विद्यालय परिसर स्थित सोनाढुंगरी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। पूर्व में दर्ज प्राथमिकी के आलोक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा अंचलाधिकारी, नीमडीह एवं स्थानीय थाना प्रभारी को उक्त स्थल पर अवैध उत्खनन एवं परिवहन गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जिले में किसी भी स्थान पर खनिजों के अवैध खनन, भंडारण अथवा परिवहन की गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन के विरुद्ध जिला प्रशासन की कार्रवाई आगे भी निरंतर एवं सख्ती के साथ जारी रहेगी।

दुमका जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्कूल बसों की किया निरीक्षण

नवप्रदेश/दुमका। परिवहन विभाग, झारखंड सरकार तथा उपायुक्त, दुमका के निदेशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार तथा मोटरवाहन निरीक्षकों के दल द्वारा स्कूली बसों तथा स्कूल वैन की औचक जांच की गई। उक्त क्रम में दो स्कूली बसों का पेपर अद्यतन नहीं रहने, प्राथमिक चिकित्सा किट तथा अग्निशमन यंत्र की अनुपलब्धता के कारण बस संचालक तथा बस के चालक को फटकर लगाई गई एवं साथ ही दोनों बसों का चालान भी किया गया। वहीं बच्चों को स्कूल छोड़ने वाले निजी वाहनों की भी औचक जांच की गई। इस दौरान वहां के चालकों का ब्रेथ एनालाइजर से जांच करके पता लगाया गया कि किसी वाहन चालक ने नशे का सेवन नहीं किया होे। इसके अतिरिक्त सभी वाहनों के कगजात की जांच भी की गई। वाहन चालकों द्वारा सुधार लाने हेतु समय की मांग संबंधी अनुरोध पर जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा सभी स्कूल वैन को निर्देशित किया गया कि वे विभागीय नियमों का पालन कर वाहनों का परिचालन करें। वाहनों में लगाए गए बेंच को हटाकर उचित मानक के अनुरूप उचित सीट लगाना सुनिश्चित करें, वाहनों को फटकरात को दुरुस्त रखें इंश्योरेंस अद्यतन रखें तथा वाहनों के परिचालन में नियंत्रित गति का जरूर पालन करें। किसी भी हाल में शराब का सेवन कर वाहन नहीं चलाएंगे। वाहन चालकों द्वारा आगामी ग्रीष्मावकाश के दौरान उक्त सभी नियमों का अनुपालन करने पर सहमति जताई गई जिस पर जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि गुष्मावकाश के बाद नियमों का अनुपालन नहीं कर बच्चों के जान को जोखिम में डाल वाहन परिचालन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

17 मई को मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में विशाल निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह। शहर के अग्रणी मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारा आगामी 17 मई 2026 (रविवार) को एक विशेष निःशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर अस्पताल परिसर में सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें विभिन्न विभागों के अनुभववी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान करेंगे। अस्पताल प्रबंधन का अनुरोध इस शिविर का मुख्य उद्देश्य गिरिडीह एवं आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों को समय रहते



सही चिकित्सा परामर्श देना है। शिविर के दौरान मरीजों को कई महत्वपूर्ण बीमारियों की प्रारंभिक जांच एवं उचित उपचार संबंधी सलाह दी जाएगी। इस निःशुल्क परामर्श शिविर में जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी डॉ. अनुज अनिल लड्डा,

ऑर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा सर्जरी - डॉ. रोइश उद्दीन, मेडिसिन एवं क्रिटिकल केयर डॉ. मो० शहजाद शेख, स्त्री एवं प्रसूति रोग डॉ. लीलावती पांडेगोला, बाल रोग डॉ. प्रियंका अग्रवाल, दंत रोग डॉ. विशाल शाहाबादी एवं (स्क्वाइन लीडर) डॉ. सौरभ जगनानी (सेवानिवृत्त), त्वचा रोग डॉ. फरहा आजाद, ईएनटी, सिर और गर्दन रोग डॉ विवेक डोकानिया, रेडियोलॉजी - डॉ निकेश सिंह तथा गुर्दा एवं मूत्र रोग डॉ. श्रवण कुमार उपस्थित रहेंगे। मरीज अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों से सीधे परामर्श ले सकेंगे। शिविर के दौरान मरीजों के लिए शुगर एवं बी.पी.

की निःशुल्क जांच की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा श्वास संबंधी समस्याओं से जुझ रहे मरीजों के लिए फ्री स्पाइरोमेट्री / पीएफटी टेस्ट भी उपलब्ध रहेगा, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच की जा सकेगी। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि शिविर में आने वाले मरीजों को जांच एवं उपचार पर 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी, ताकि जरूरतमंद मरीज कम खर्च में बेहतर इलाज का लाभ उठा सकें। मर्सी हॉस्पिटल के प्रबंधन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लें।

नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला

खरसावां जिले के कपाली के ओपी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित बूचड़खानों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) विकास कुमार राय के नेतृत्व में की गई, जिसे जिले के उपायुक्त के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

हाल ही में ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध बूचड़खानों के संचालन की शिकायतों को प्रमुखता से उठाया गया था। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक टीम ने कई स्थानों पर औचक निरीक्षण और छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान रहमत नगर निवासी ताई कुरैशी के



परिसर में संचालित एक अवैध बूचड़खाने से दो गायों को जब्त किया गया। जन्म पशुओं को सुरक्षित स्थान (गोशाला) भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, संबंधित प्रतिष्ठान को कपाली नगर परिषद

एक नजर

झारखंड का गौरव बना गिरिडीह का छात्र, सीबीएसई कॉमर्स में राज्य टॉपर

नवप्रदेश/गिरिडीह। डीएवी पब्लिक स्कूल सीसील के छात्र अवि गोयल ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है। अवि ने 500 में से 497 अंक प्राप्त करते हुए 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ वह कॉमर्स संकाय में झारखंड राज्य टॉपर बने हैं तथा राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान पर अपनी जगह बनाई है अवि गोयल की सफलता से विद्यालय, अभिभावकों और पूरे जिले में शुशी का माहौल है। उनकी उपलब्धि को लेकर शिक्षकों ने कहा कि अवि शुरू से ही पढ़ाई के प्रति बेहद गंभीर और मेहनती छात्र रहे हैं अवि के विषयवार अंक इस प्रकार हैं अकाउंटेंसी : 100/100 इकोनॉमिक्स : 100/100 पेंटिंग : 100/100 बिजनेस स्टडीज : 99/100 अंग्रेजी : 98/100 विद्यालय प्रबंधन ने अवि की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। अवि ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और नियमित अध्ययन को दिया भविष्य में चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का सपना देखने वाले अवि की इस उपलब्धि पर जिलेभर से बधाइयां का ताता लगा हुआ है।

पंचायतों में जल्द शुरू हों टाइड-अनटाइड योजनाएं : बीडीओ निशात अंजुम

नवप्रदेश/गिरिडीह। गांडेय प्रखंड परिसर स्थित समाकक्ष में शनिवार को गांडेय बीडीओ निशात अंजुम ने प्रखंड स्तर के सभी पंचायतों के मुखिया और पंचायत सेवकों के साथ बैठक किया। बैठक में बीडीओ ने 15 वी वित की योजनाओं की स्वीकृति और क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा किया। इस क्रम में बीडीओ ने कहा कि पंचायत स्तर में 15 वी वित की टाइड - अनटाइड योजनाओं को पंचायत स्तर में जल्द से जल्द शुरू करें। अबदित राशि के अनुसार आवश्यक योजनाओं का संचालन करें। बीडीओ ने सभी पंचायत सेवकों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी लोग संबंधित पंचायत में खुद से मईया सम्मान योजना का भौतिक सत्यापन करें। बीडीओ ने पंचायती राज विभाग के प्रवीण कुमार, बीपीआरों बैजनाथ महतो कनकवी अभियंता अब्दुल फारूक सहित विभिन्न पंचायतो के पंचायत सेवक और मुखिया उपस्थित थे।

धर्मस्थल एवं हरण कुंडी काली मंदीर में मनाया गया वट सावित्री पूजा

नवप्रदेश/दुमका। जिले के धर्मस्थल मंदीर नगर क्षेत्र में शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने पूरे श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ वट सावित्री पूजा किया। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा और श्रृंगार में सजकर वट वृक्ष के पास पहुंची और पति की लंबी उम्र, परिवार की सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर सूती धागा बांधा तथा सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी। कई स्थानों पर सामूहिक पूजा और भक्ति गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। नगर के महिलाओं ने बताया कि यह पर्व भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और पति-पत्नी के अटूट प्रेम का प्रतीक है। नेतृपक्षडी में हर वर्ष यह पर्व बड़े उत्साह और आस्था के साथ मनाया जाता है।

दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू एवं प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के निदेशानुसार भाजपा गिरिडीह महानगर द्वारा पारसनाथ की तलहटी स्थित करिया भवन में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष रंजीत राय ने स्वागत भाषण के साथ किया तथा सभी प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का अभिर्नंदन किया। इस अवसर पर झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबुलाल मरांडी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कार्यकर्ताओं को भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग की विस्तृत जानकारी दी तथा उनसे संवाद स्थापित किया। प्रशिक्षण वर्ग में जिला प्रशिक्षण प्रभारी रमेश सिंह, प्रदेश प्रशिक्षण टीली के सदस्य के रूप में के.के. गुप्ता, अभय कांत प्रसाद, आरती सिंह, गणेश मिश्रा एवं शशांक राज ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण सत्र में पार्टी का इतिहास एवं विकास, वैचारिक अधिष्ठान, कार्य पद्धति, विचार परिवार सहित संगठनात्मक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस कार्यक्रम का समापन कल 17 मई को हो गा जिसमें समापन के समय प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह शामिल रहेंगे।

सुहागिनों ने रखा वट सावित्री व्रत

नवप्रदेश/गिरिडीह। जिले के शहरी क्षेत्र समेत ग्रामीण इलाकों में शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा, आस्था और समर्पण के साथ वट सावित्री व्रत किया। सुबह से ही महिलाएं 16 श्रृंगार कर पूजा सामग्री के साथ बरगद के पेड़ के पास पहुंची और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पति की लंबी उम्र एवं सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने बरगद के वृक्ष के चारों ओर फेरे लगाए और व्रत कथा का श्रवण किया। पूजा स्थलों पर भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पारंपरिक गीत भी गाए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वट सावित्री व्रत सप्ताहन धर्म में सुहागिन महिलाओं का महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। कहा जाता है कि इसी दिन मां सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प, प्रेम और तपस्या के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। मान्यता यह भी है कि जब सावित्री यमराज के पीछे-पीछे जा रही थीं।

अवैध बूचड़खानों पर एसडीएम की बड़ी कार्रवाई

नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला

खरसावां जिले के कपाली के ओपी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित बूचड़खानों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) विकास कुमार राय के नेतृत्व में की गई, जिसे जिले के उपायुक्त के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

हाल ही में ग्रामीणों ने क्षेत्र में अवैध बूचड़खानों के संचालन की शिकायतों को प्रमुखता से उठाया गया था। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए प्रशासनिक टीम ने कई स्थानों पर औचक निरीक्षण और छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान रहमत नगर निवासी ताई कुरैशी के



परिसर में संचालित एक अवैध बूचड़खाने से दो गायों को जब्त किया गया। जन्म पशुओं को सुरक्षित स्थान (गोशाला) भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, संबंधित प्रतिष्ठान को कपाली नगर परिषद

दौरान एक लाइसेंस बूचड़खाना भी मिला, जिसके दस्तावेजों की पड़ताल की गई और संचालक को नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया।उन्होंने यह भी बताया कि कई स्थान बंद मिले, जहां संचालकों द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। ऐसे मामलों में सीलिंग की कार्रवाई की गई है। एसडीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में यदि कोई अवैध रूप से बूचड़खाना संचालित करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।अचानक हुई इस प्रशासनिक कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में भय देखा जा रहा है।

संपादकीय



अब छोटे ही रहें नेताओं के काफिले

मेरिका-ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक तनाव ने पूरी दुनिया में ईरान संकट की आशंका को बढ़ा दिया है। भारत जैसे विकासशील देश पर इसका सीधा असर पड़ता है, जहाँ पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से ईरान की खपत कम करने की अपील स्वागतयोग्य है। इसके बाद कई राज्य सरकारों ने मंत्रियों और अधिकारियों के काफिलों में गाड़ियों की संख्या घटाने, कार पूलिंग अपनाने और वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाओं पर जोर देना शुरू किया है। सुप्रिम कोर्ट के याचिकाधीशों द्वारा भा कार पूलिंग और ऑनलाइन मुनवाब को बढ़ावा देना एक सरकारवाचक पहल है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था केवल संकट के समय तक सीमित रहनी चाहिए? क्यों न नेताओं और अधिकारियों के बड़े-बड़े काफिलों को हमेशा के लिए छोटा कर दिया जाए। आज देश में नेताओं के लंबे काफिले शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुके हैं। किसी मंत्री या बड़े नेता के गुजरने पर दर्जनों गाड़ियां सड़क पर दौड़ती नजर आती हैं। इनमें सुशुभा वाहन, निजी स्टार, समर्थकों की गाड़ियां और कई बार अनावश्यक वाहन भी शामिल होते हैं। इससे भारी मात्रा में ईंधन की खपत होती है। दूसरी ओर आम जनता को घरीजों जैसी धूम और असुविधा झेलनी पड़ती है। स्कूल जाने वाले बच्चे, मरीजों और कामकाजी लोग काफिलों के कारण स्ट्राइक पर फंस जाते हैं। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि मानी जाती है, लेकिन व्यवहार में जनता को ही सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती है। यदि वास्तव में ईंधन बचाने की गंभीर पहल करनी है, तो सरकारों को स्थानीय चिन्ता बनानी होगी। नेताओं और अधिकारियों के काफिलों में वाहनों की संख्या तब होनी चाहिए। केवल सुशुभा की वास्तविक आवश्यकता के आधार पर सीमित वाहन उपयोग किए जाएं। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत होगी, बल्कि सरकारी खर्च में भी कमी आएगी। पर्वतारोह, एडिक्टो की चुनौती से जुड़ा रहा है। हजारों सरकारी वाहन प्रतिदिन सड़कों पर अतिरिक्त धुआं छोड़ते हैं। यदि सरकारी स्तर पर ईंधन की खपत घटेगी, तो कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। इससे आम लोगों को भी संदेश जाएगा कि ईंधन और जिम्मेदारी केवल भाषणों की बात नहीं, बल्कि व्यवहार का हिस्सा है। चुनाव के समय हेलिकाप्टरों और सैकड़ों गाड़ियों का इस्तेमाल भी गंभीर चिन्ता का विषय है। चुनाव प्रचार में शक्ति प्रदर्शन की यह संस्कृति लोकतंत्र की सद्गति के खिलाफ है। राजनीतिक दल यदि सचमुच जनता के हित की बात करते हैं, तो उन्हें प्रचार के तौर-तरीकों में भी बदलाव लाना चाहिए। देश को आज दिखावे की राजनीति नहीं, जिम्मेदार नेतृत्व की जरूरत है। यदि नेता स्वयं सादगी अपनाएँ, तो जनता भी उनका अनुसरण करेगी। ईंधन संकट केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रश्न है। इसलिए काफिलों को छोटा करना अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी व्यवस्था बननी चाहिए।

मुद्रा

भोजशाला : जब इतिहास की राख से फिर सभ्यता बोल उठी

प्रणय विक्रम सिंह

अधिकांश केंद्रीय पत्थरोन्मुखी और सुनामिक अग्रश्रेणी से नहीं बनती। वे स्थितियों, श्रद्धा, भक्ति और आत्मा के उत अहस्य स्रोतों से प्रतिफलित होती हैं, जिन्हें तत्वपरा कह नहीं सकते, किन्तु प्रकामना भिन्न नहीं सकते और आक्रमण पराजित नहीं कर सकते। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अध्यक्ष श्री भोजपाल-कमाल मैला कौन्सेलर की धार्मिक प्रवृत्ति को भावार्थी वादपरी (सरस्वती) का मंदिर माना है। यह राजा भोज (परमार वंश) द्वारा स्थापित संस्कृत शिक्षा केंद्र था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा भाज स्वित्त भोजपाल-कमाल मैला परिसर की धार्मिक प्रवृत्ति को भावार्थी वादपरी (मा सरस्वती) के मंदिर मानना केंद्रीय कक्ष न्यायिक निर्णय नहीं, बल्कि उच्च न्यायालय के प्रसवगतगत सत्य की पुनर्पुष्टि है, जिसे सखियों तक युल, ध्वंस और रमन के नीचे दबाने का प्रयास किया गया, किन्तु जिसमें मिटाया नहीं जा सका। यह वही भोजपाल है, जिसे परमार वंश के महान प्रतापी राजा भोज ने बना, संस्कृत और मा वादपरी की आलोचना के केंद्र के रूप में स्थापित किया था। यहां केवल पुनर्पुन ही नहीं होती थी, यहां भारत की वैदिक वेदना धारण होती थी। यहां गृह साधना थी, शास्त्रार्थ था, संस्कृत की स्वर लहरियां थीं और ज्ञान को प्रवर्धित करने वाले भारतीय सभ्यता की आलोक था। यह केवल मंदिर नहीं था, यह भारतीयया वैदिकता, भारतीय ज्ञान और सभ्यता का समर्पित विवेकवादी था। किंतु भारत के इतिहास का एक लंबा कालखंड ऐसा भी रहा, जहां भारतीय आक्रमणकारीयों ने इस भूमि को अपनी आत्मा को एक प्रयास किया। मंदिरों को केवल पत्थरों का दावा नहीं समझा गया, बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक रीढ़ मानकर लूट लूट बनाया गया। क्योंकि आक्रमणकारीयों ने जानते थे कि यदि किसी सभ्यता की स्थितियों, प्रतीकों और आत्मा केंद्रों को ध्वस्त कर दिया जाता है तो उसके अवशिष्टवास को धावत किया जा सकता है। सोमनाथ के कथरी तक, मथुरा के सम्राट के सम्राट और भोजपाल से नालंद तक इतिहास के पन्नों पर ऐसे असंख्य रक्तचिह्न हैं, जिनसे व्यापक अंकित है, जहां केवल इमारतें नहीं टूटीं, बल्कि भारतीय अस्मिता को अमान्यता करने का सुयोग्यजित प्रयास हुआ। आक्रमण केवल भूमिगत पर नहीं, भारत की स्थिति पर नहीं, भारत के सभ्यता के विनाश के लिए, विधायीय दस्तक दिए गए, मूर्तियों को खंडित किया गया और सभ्यता के सभ्यता के स्थितियों पर प्रत्येक प्रतीकों का आवरण चढ़ाने का प्रयास किया गया। भोजपाल की तेली पीढ़ी की साक्षी नहीं, जहां अभी सरस्वती वेदना गुंजती थी, वहां इतिहास को दबाने के प्रयास हुए। जहां ज्ञान का दीप प्रज्वलित था, वहां पड़वाना का अंधकार थोपा गया। किन्तु सभ्यतागत की विषेशता नहीं है कि वह पराजित नहीं होता। मा प्रतीक्षा करता है। वह सहता है। वह सम्य के पक्ष में सत्य को सुरक्षित रखता है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उपर्युक्त ऐतिहासिक साहित्य, पुरातात्विक साक्ष्यों, सत्य उपसना परंपरा और वैज्ञानिक जांच के आधार पर यह स्पष्ट किया कि भोजपाल मा वादपरी का प्राचीन मंदिर ऐसे संस्कृत शिक्षा का केंद्र था। यह निष्कर्ष किसी भावनात्मक आंदोलन का परिणाम नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया, पुरातात्विक परीक्षण और न्यायिक विवेक की कसौटी पर आया हुआ निर्णय है। यह अवलोकन महत्वपूर्ण है कि न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएसआर) निरीक्षण संस्था की जांच, दोनों पक्षों की दलीलों, ऐतिहासिक प्रमाणों और प्रत्यक्ष निरीक्षण के बाद यह निर्णय दिया। यह बताता है कि भारत का सभ्यता और न्यायालयिक सत्य तब भी अक्षत रहस्य है, यदि धैर्य और विश्वास पराम रखा जाए। यह निष्कर्ष समाजजित पहलू से भी अमूल्य है। कोलिन किंग भी समझ अपने धावों को स्वीकार किए बिना स्वस्थ नहीं हो सकता। भोजपाल को निरर्थक इस बात का संकेत है कि आयुर्विगत भारत अपनी सभ्यता के इतिहास से आंखें बंद करने के बजाय उजागर स्थिति और रथस्थिति पुनर्प्राप्त करने को तैयार है।



वैभव गग्गर/काम्या वहल

**अंतर-
विभागीय
समिति
(आईडीसी) अब
केवल व्यक्तिगत
शिकायतों के
समाधान तक
सीमित नहीं
रहेगी, बल्कि
सरकार द्वारा
संदर्भ दिए जाने
पर व्यापक,
प्रणालीगत मुद्दों
पर भी विचार
कर सकती है।
एक ऐसे परिवेश
में जहाँ
व्यवस्थित तौर
पर गलत
सूचना फैलाने
वाले अभियान
जैसे नुकसान
अक्सर
व्यक्तिगत
शिकायतों से
आगे चली जाती
हैं, यह
लचीलापन
समयानुकूल
और आवश्यक
दोनों है।**

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अब लोगों के संवाद करने और जानकारी तक पहुँचते के तरीकों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसने जवाबदेही और ऑनलाइन नुकसान को लेकर नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं और मौजूदा नियामक व्यवस्था को तदनुसार विकसित होने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित बदलाव, जो 30 मार्च, 2026 को प्रकाशित किए गए हैं, भारत की डिजिटल इकोसिस्टम व्यवस्था में प्रक्रिया से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए एक बड़े कदम को प्रतिबिंबित करते हैं। इन मसौदा संशोधनों का उद्देश्य भाग क़क़के तहत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श और दिशानिर्देशों के अनुरूप मध्यस्थों के अनुपालन को मजबूत करना और भाग III के तहत डिजिटल मीडिया से संबंधित कंटेंट नियमन व्यवस्था की नियामक निगरानी के प्रभाव को बढ़ाना है।

सबसे पहले, नियम 3(1)(जी) और 3(1)(एच) के तहत डेटा रखरखाव की जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्टीकरण है। प्रस्तावित संशोधन स्पष्ट करता है कि रखरखाव आवश्यकताओं से जुड़े नियम; अन्य लागू कानूनों के तहत निर्धारित जिम्मेदारियों के अतिरिक्त हैं। इससे वह अस्पष्टता दूर होती है जिसने कभी-कभी मध्यस्थों को अलग-अलग या न्यूनतम अनुपालन दृष्टिकोण अपनाने की अनुमति दी है। आईटी अधिनियम डिजिटल प्लेटफॉर्म को अकेले काम करने की अनुमति नहीं देता। उन्हें आपराधिक प्रक्रिया कानून, विवैतनिय नियम और केवल उनके उद्योग पर लागू होने वाले नियमों का भी पालन करना होता है। इस अर्थ में, यह स्पष्टीकरण अर्थपूर्ण और आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि संशोधन रखरखाव से संबंधित है, पहुँच से नहीं। ऐसे मामलों का खुलासा कानूनी प्रक्रियाओं और सांविधिक सुरक्षा के अधीन रहता है। हालाँकि इस प्रकार की एक सामान्य संरक्षण धारा को इस रूप में पढ़ा जा सकता है कि यह उद्योगों द्वारा, अतिव्यापी या यहाँ तक कि मध्यस्थों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा के अनिश्चितकालीन रखरखाव के बारे में है, क्योंकि विभिन्न कानूनी दस्तावेज़ आवश्यकता, उद्देश्य की सीमा या अनुपालन प्रक्रिया का संघर्ष दिए बिना ही ऐसी शर्तें लागू करते हैं। पंदि चिंताओं को दूर करने के

लिए एक स्पष्टीकरण जारी यदि भविष्य में ऐसी चिंता दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(मंत्रालय द्वारा जारी पालन मानक संचालन प्रक्रियाओं आईटी अधिनियम की दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप है। नियमों की धारा 79 से के कंटेंट की जिम्मेदारी सुरक्षित ठिकाना मिल गया प्रक्रिया का पालन करें और में सक्रिय रूप से पालन उपयोगकर्ता-कंटेंट पर नज़र लिए यह मध्यस्थों के लिए काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय भारत संघ मामलों ठिकाना परंपरागत रूप से म के कंटेंट के लिए जिम्मेदार रहा है। यह तक कि वे वास्तविक ज्ञान पर कार्यवाही ने प्लेटफॉर्मों को जानकारी बनाए रखने में बहुत महत्व लेकिन तब से डिजिटल इ को नहीं है। प्लेटफॉर्म अब के गयी हैं। उनके आकार और करने की उनकी क्षमता ने अ लोगों को प्रभावित करने के है। इस स्थिति में, केवल न औपचारिक नोटिस पर प्रति धीरे-धीरे अप्रभावी हो जा शासन को अधिक लचीला दूर करता है। यह कंटेंट क आशंसा की आवश्यकता इसके बजाय, यह कार्यका

आईटी



आईटी नियम दूसरा संशोधन, 2026



लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है, यदि भविष्य में ऐसी चिंता सामने आती है। दूसरा, प्रस्तावित नियम 79 को जोड़ना है, जो मानव द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79 से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के केटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक समर्थ सुरक्षित ठिकाना मिल गया था, बशर्त कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें। बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता-केटेंट पर नजर रखने से बचने के लिए यह मध्यस्थों के एक दाल के रूप में काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंगल बनाम भारत संघ मामले में कहा कि सुरक्षित ठिकाना परंपरागत रूप से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के केटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने से बचाता रहा है, जब तक कि वे अवैध गतिविधि के वास्तविक ज्ञान पर कार्रवाई करते हैं। इस सिद्धांत ने प्लेटफॉर्म को कार्यकारी के प्रवाह में तटस्थ नहीं बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन तब से डिजिटल इकोसिस्टम बहुत बदल गया है। प्लेटफॉर्म अब केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं। उनके आकार और एंग्लोरिडम उपयोग करने की उनकी क्षमता ने ऑनलाइन नुकसान और लोगों को प्रभावित करने के तरीकों को बदल दिया है। इस परिप्रेक्ष्य में, केवल न्यायालय के आदेश या औपचारिक नोटिस पर प्रतिक्रिया देते वाला मॉडल धीरे-धीरे अप्रभावी हो जाता है। नियम 3(4) शासन को अधिक लचीला बनाकर इस कमी को दूर करता है। यह कंटेंट हटाने के लिए कानूनी आदेशों की आवश्यकता को खत्म नहीं करता। इसके बजाय, यह कार्यकारी उपकरणों के माध्यम

ऐसे, समग्र रूप से प्लेटफ़ॉर्मों के कार्य करने के तरीके को निर्दिष्ट करने का प्रयास प्रकाश है। संभावित विश्वसनीयता के बारे में वैध चिंताएँ हैं, लेकिन तथ्य यह है कि सुरक्षित ठिकाना शायद पर आधारित है, इसका हमेशा मतलब रहा है कि उचित कारवाई मानक बदल सकते हैं। चीजों को और अधिक वैध बनाने के लिए, यह सम्भवद्वारा होगी कि इस प्रकार की सलाहें और एसओपी परादर्शिता के उपायों के साथ जारी किये जाएँ, जैसे प्रकाशन, अच्छी तरह से सोचा गया कारण, और यदि संभव हो तो, हिदायतकों से परामर्श। तीसरे, संशोधन प्रस्तावित करता है कि नियम 8.1 की उपभाषा को इस तरह बदल दिया जाए कि भाग III के नियम 14, 15 और 16 न केवल प्रकाशकों पर लागू हों बल्कि मध्यस्थों पर और उपयोगकर्ताओं द्वारा मध्यस्थों के कंप्यूटर संशोधनों पर प्रकाशित समाचार और समसामयिक घटनाक्रम कंटेंट पर भी लागू हों, जो प्रकाशक नहीं हैं। उपयोगकर्ता और प्रकाशक के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है। यह डिजिटल मीडिया निरीक्षण प्रेमचंद के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो पहले मुख्य रूप से समाचार और संकलित कंटेंट के संगठित प्रकाशकों के प्रति केंद्रित था। संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कहीं से भी आने वाले कंटेंट के मामले में गंभीर नियम उल्लंघनों को निपटारा जा सके तथा इसके लिए ऐसे कंटेंट को नियम 14 से 16 में शामिल किया गया है। यह पारंपरिक प्रकाशकों और कार्यात्मक रूप से समान गतिविधियों में लगे डिजिटल-स्थानीय कर्मियों के बीच समानताओं और बढ़ावा देता है। इस प्रकार, संशोधन प्रस्ताव समानता को बढ़ावा देता है और वर्तमान प्रेमचंद में संरचनात्मक कमी को खत्म करता है। इसके साथ ही एक विचारारोपित फीडबैक बिंदु यह है कि भाग III का उपयोग उपयोगकर्ता-जनित कंटेंट पर गंभीर और

प्रणालीगत नुकसान तक ही सीमित रहना चाहिए। बहुत ज्यादा सख्ती से लागू होने से बचने के लिए जिससे व्यवहार राजनीतिक भाषण या लोगों की खोजों पर प्रतिक्रिया पर रोक लग सकती है, मंत्रालय व्यवहार विचार कर सकता है कि नियम 14 से 16 के तहत मध्यस्थों को लक्षित हस्तक्षेप; स्पष्ट मानदंडों जैसे पहुँच, प्रभाव और जेनिफ़म के आधार पर कार्य करके जाएँ तथा न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपयोग को उपयोग किया जाएगा। यह मध्यस्थ द्वारा समर्थन (होस्ट) दिए गये कंटेंट के निरीक्षण को बेहतर बनाने के घोषित उद्देश्य के साथ-साथ एक खुली और बहुल डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र को बनाए रखने के उद्देश्य के अनुरूप होना।

तमें, नियम 14 में प्रस्तावित बदलावों के जमाने शिकायतों को बदलकर मामले किया गया है, एक-दूसरे प्रतिक्रियाशील से अधिक सक्रिय नियामक दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। अंतर-विभागीय समिति (आईडीओ) अब केवल व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सरकार द्वारा प्रस्तुत दिए जाने पर व्यापक, पणालीगत मुद्दों पर भी विचार कर सकती है। एक ऐसे परिवेश में जहाँ व्यवस्थित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले अभियान जैसे नुकसान संचरणा व्यक्तिगत शिकायतों से आगे चली जाती हैं, यह लचीलापन समानाचारक और आवश्यक दोनों है। साथ ही, आईडीओ के अधिकार क्षेत्र के विस्तार से प्रक्रियागत सुस्था की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। विचार किए गए मामलों की प्रकृति का समय-समय पर खुलासा साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन संस्थागत विषयवस्तुनीयता को मजबूत करेगा और मनमानी हस्तक्षेप की धारणा में कमी लायेगा। समुचित रूप से देखें तो, मरीदा संशोधन भारत के मध्यस्थता दायित्व व्यवस्था को आधुनिक बनाने का एक व्यावहारिक प्रयास पेश करते हैं। वे इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्थिर कानून सिद्धांत पूर्ण रूप से गतिशील तकनीकी वास्तविकताओं का समाधान नहीं कर सकते हालांकि, चुनौती कार्यान्वयन में निहित है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विस्तारित नियामक शक्तियों का उपयोग परदर्शी, अनुपातिक और इंटरनेट के खुले स्वरूप में बनाए रखने वाले तरीके से किया जाए। यदि सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाए, तो ये सुधार एक व्यावहारिक संतुलन स्थापित कर सकते हैं और नवाचार य स्वतंत्र अभिव्यक्ति को कमजोर किए बिना उत्तरदायित्व को मजबूत कर सकते हैं।

(लेखक वैभव गग्गर वरिष्ठ अधिवक्ता और
काम्या वहल अधिवक्ता हैं)

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकीले रोशनीयों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अंशुनासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुस्थित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं लेकिन इस स्वच्छता के पीछे निहित लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अवसर समाज की कसबे और सम्मान से दूर रह जाते हैं। वे लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारियों - वे अज्ञान हैं, अनुसूचे और उपेक्षित नायक, जिनके ब्राम

पर पड़े शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बंदूबू फेंकने की लड़ाई और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पकड़ कर मरसुस हाऊस कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारियों समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विट्ठलना यह है कि हम आधुनिक और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नगरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी लौकन पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर कचरा रखने वाले लोग भी प्रचुर



समझा करते हैं। कई बार उन्हें बिना प्याण्डे सुझा उपकरणों के बदे अवसाध्यकर परिस्थितियाँ हैं। काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घेरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय समाज ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं

लोग बिना सोचे-समझी प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

भारतीय ऋषियों की वैज्ञानिक दृष्टि का प्रमाण है अधिक मात्रा



आचार्य ललित मुनि

वास्तव में पुरुषोत्तम मास भारतीय सभ्यता की उस दूरदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक माने गए हैं। भारतीय ऋषियों ने समय को केवल गणना का विषय नहीं माना, बल्कि जीवन और प्रकृति के संतुलन का आधार समझा।

भारतीय संस्कृति में समय केवल घड़ी की सुइयों या कैलेंडर की तिथियों का क्रम नहीं है। यहां समय को प्रकृति, रत्न, ग्रहों की गति और मानव जीवन की लय के साथ जोड़कर देखा गया है। सूर्य की ऊर्जा खेतों में अनन्य प्रकटी है, चंद्रमा रातों की शीतलता प्रदान करता है और इन दोनों की गति से ही ऋतुएं, पर्व और मानव जीवन का क्रम निर्धारित होता है। भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले यह समझ लिया था कि यदि समय की गणना केवल सूर्य या केवल चंद्रमा के आधार पर की जाएगी तो धीरे-धीरे ऋतुओं और त्योहारों का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए भारतीय कालगणना में अर्धे मास (पुरुषोत्तम मास) की व्यवस्था की गई। यह केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अत्यंत सूक्ष्म खगोलीय गणनाओं पर आधारित वैज्ञानिक व्यवस्था है। भारतीय पंचांग मूलतः लूनीसोलर अर्थात् चंद्र और सूर्य दोनों की गति पर आधारित है। चंद्रमा के आधार पर एक चंद्र मास लगभग 29.53 (29 दिन, 12 घंटे, 44 मिनट और 3 सेकंड) दिनों का बनता है। इस प्रकार बाह्य चंद्र मास मिलाकर एक चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का बनता है। दूसरी ओर पृथ्वी को सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करने में लगभग 365.25 दिन लगते हैं, जिसे सौर वर्ष कहा जाता है। इस प्रकार दोनों वर्षों के

बीच लगभग 11 दिनों का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यह अंतर हर वर्ष बढ़ता रहता है और और लगभग तीन वर्षों में यह लगभग 32 दिनों तक पहुँच जाता है, जो लगभग एक पूर्ण चांद्र मास के बराबर होता है। इसी अंतर को संतुलित करने के लिए भारतीयों का कालगणना में एक अतिरिक्त मास जोड़ा जाता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है। इस माह में वैशाख एवं जेठ का संधिकाल माना जाता है। यदि पंचांग में यह अतिरिक्त मास न जोड़ा जाए तो धीरे-धीरे ऋतुओं और त्योहारों का संतुलन बिगड़ जाएगा। हो सकता है कि कुछ वर्षों बाद दीपावली गर्मियों में आने लगे और होली शीत ऋतु के स्थान पर वर्षा ऋतु में पड़ने लगे। इससे केवल धार्मिक पर्वों का क्रम ही नहीं बिगड़ेगा, बल्कि कृषि चक्र और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होगा। भारतीय ज्ञानियों ने इस समस्या को बहुत पहले समझ लिया था और उन्होंने एकलिंग के साथ सामंजस्य बनाए रखने के लिए अतिरिक्त मास की व्यवस्था विकसित की। अधिक मास की गणना भी अत्यंत वैज्ञानिक है। सामान्यतः प्रत्येक चांद्र मास में सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, जिसे संक्रांति कहा जाता है। लेकिन जब किसी चांद्र मास के दौरान सूर्य किसी नई राशि में प्रवेश नहीं करता, तब वह मास अधिक मास कहलाता है। सरल

**भारतीय ऋषियों की
वैज्ञानिक दृष्टि
का प्रमाण है अधिक मास**

शब्दों में कहें तो जिस मास में कोई संक्रांति नहीं होती, वह अतिरिक्त मास माना जाता है। यह प्रक्रिया लगभग हर 32 महीने 16 दिन बाद घटित होती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में इसका विस्तृत वर्णन मिलता है। सूर्य सिद्धांत, वेदांग ज्योतिष और ब्रह्म सिद्धांत जैसे ग्रंथ बताते हैं कि भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान केवल धार्मिक विश्वासों पर आधारित नहीं थे, बल्कि ग्रहों और नक्षत्रों की सूक्ष्म गति के गहन अध्ययन पर आधारित थे। भारतीय गणितज्ञों और खगोलविदों ने बिना आधुनिक उपकरणों के सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गतियों का अत्यंत सटीक अध्ययन किया था। अर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भारद्वाज जैसे विद्वानों ने इन गणनाओं को और अधिक परिष्कृत किया। विश्व की अन्य सभ्यताओं में भी समय संतुलन के लिए अतिरिक्त मास की व्यवस्था रही है। बेबीलोनियन और यहूदी कैलेंडर में भी इंटरकेलरी मास जोड़ा जाता है। किन्तु भारतीय प्रणाली की विशेषता यह है कि वहां केवल दिनों की गणना नहीं की गई, बल्कि ऋतु, तिथि, नक्षत्र, योग और प्रकृति के अनेक आयामों को एक साथ जोड़कर समय का निर्धारण किया गया। अधिक मास का धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राश्न में इसे मन्त्रमास कहा जाता था और शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार

जब अन्य मासों ने इसका तिस्कार किया, तब भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम देकर पुरुषोत्तम मास बना दिया। इसके बाद यह मास विशेष रूप से भगवान विष्णु की उपासना, जप, तप, दान और आत्मचिंतन के लिए महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इस कथा का मानवीय संदेश भी अत्यंत गहरा है। जीवन में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जिनमें लोग महत्वहीन या व्यर्थ मान लेते हैं, लेकिन वही समय आत्मस्थान और आत्मविकास का अवसर बन सकता है। पुरुषोत्तम मास हमें यह सिखाता है कि जीवन की भागदौड़ से कुछ समय निकालकर स्वयं को समझना भी आवश्यक है। आधुनिक समय में जब तनाव, प्रतियोगिता और मानसिक अशांति बढ़ रही है, तब यह परंपरा मनुष्य को ठहरकर आत्मिक संतुलन खोजने की प्रेरणा देती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी भारतीय कालगणना अत्यंत परिकृत है। आधुनिक खगोल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि चंद्र और सौर वर्षों के बीच अंतर स्वाभाविक है और उसे संतुलित करने के लिए अतिरिक्त समय जोड़ना आवश्यक होता है। आज पूरी दुनिया में प्रयुक्त ग्रेगोरियन कैलेंडर में भी लीप वर्ष की व्यवस्था इसी सिद्धांत पर आधारित है। भारतीय पंचांग में अधिक मास उसी वैज्ञानिक सोच का अधिक विकास और प्रतिनिधिमूल रूप है।

वर्ष 2026 में अधिक मास ज्येष्ठ मास के विशेष पड़ रहा है। इस अवधि में देशभर में विराण पूजा-पाठ, भागवत कथा, दात और धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। लेकिन इसका वास्तविक महत्व केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। यह भारतीय समाज परंपरा की वैज्ञानिक दृष्टि, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और समय की सूक्ष्म समझ का जीवंत उदाहरण है।

वास्तव में पुरुषोत्तम मास भारतीय सभ्यता की उस दृढ़दृष्टि का प्रतीक है, जिसमें विज्ञान और अध्यात्म एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक माने गए हैं। भारतीय ऋषियों ने समय को केवल गणना का विषय नहीं माना, बल्कि जीवन और प्रकृति के संतुलन का आधार समझा। यही कारण है कि हजारों वर्षों बाद भी भारतीय कालगणना आज प्रासंगिक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिखाई देती है।

पुरुषोत्तम मास हमें यह भी स्मरण कराता है कि मनुष्य प्रकृति से अलग नहीं है। सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गतियाँ केवल अकाशीय घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे जीवन, संस्कृति और चेतना से जुड़ी हुई हैं। अधिक मास इसी ब्रह्मांडीय संतुलन का उत्सव है, जो हमें समय, प्रकृति और आत्मा के साथ साधंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक
संस्कृति के जानकार हैं।)



रेशमी मेटिलिक कंपनी ने फ्लाई ब्रिक्स प्लांट का किया उद्घाटन

नवप्रदेश/चन्दवा। चन्दवा थाना क्षेत्र अंतर्गत चकला-बाना गांव स्थित रेशमी मेटिलिक कंपनी परिसर में शनिवार को फ्लाई ब्रिक्स निर्माण प्लांट का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में कंपनी के अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट पीसी जोशी ने बताया कि कंपनी द्वारा आधुनिक तकनीक से फ्लाई ब्रिक्स निर्माण प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट के शुरू होने से स्थानीय मजदूरों एवं युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रयास है कि आसपास के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाए, ताकि क्षेत्र का आर्थिक विकास हो सके। पीसी जोशी ने बताया कि अब कंपनी को निर्माण कार्यों के लिए बाहर से ईंट मंगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्लांट में तैयार होने वाली फ्लाई ब्रिक्स का उपयोग कंपनी के विभिन्न निर्माण कार्यों में किया जाएगा, जिससे लागत में कमी आएगी और समय की भी बचत होगी। इससे कंपनी को आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि फ्लाई ब्रिक्स पर्यावरण के अनुकूल होती है और इससे प्रदूषण भी कम होता है। कंपनी भविष्य में क्षेत्र में और भी विकासात्मक कार्य करने की दिशा में प्रयासरत है।

उपायुक्त ने किया कंट्रोल रूम एवं अनुमंडल कार्यालय का औचक निरीक्षण

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त सदीप कुमार के द्वारा आज जिला कंट्रोल रूम एवं अनुमंडल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण, कर्मियों की उपस्थिति, साफ-सफाई तथा आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक मामले का अद्यतन प्रतिवेदन संचारित रखें। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। अनुमंडल कार्यालय निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न शाखाओं में संचालित कार्यों की जानकारी ली तथा अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण का निर्देश दिया। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, कार्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा आम नागरिकों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मियों को अनुरोध किया कि कार्यालय में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की अस्वस्थिा न हो तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्यों का निष्पादन किया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक उपस्थित थे।

गिलटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में चार दिवसीय समर कैंप का भव्य एवं सफल आयोजन

नवप्रदेश/चंदवा। चंदवा के प्रतिष्ठित गिलटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल में चार दिवसीय समर कैंप का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस समर कैंप में प्री-नर्सरी से लेकर नौवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों की आयु, रुचि एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए समर कैंप को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया गया, जिसमें पहली श्रेणी नर्सरी से यूकेजी, दूसरी श्रेणी कक्षा एक से पांच तथा तीसरी श्रेणी कक्षा छह से नौ तक के बच्चों के लिए निर्धारित की गई। विद्यालय की निर्देशिका कादंबरी सिंह ने समर कैंप के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक एवं आनंदमय गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करता रहेगा, ताकि बच्चे खेल-खेल में सीख सकें, अपनी प्रतिभा को निखार सकें तथा पढ़ाई के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी रुचि विकसित कर सकें। साथ ही उन्होंने बच्चों को मोबाइल की सीमित दुनिया से बाहर निकालकर रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया। समर कैंप की औपचारिक शुरुआत विद्यालय परिसर में आयोजित भव्य मैजिक शो से हुई। इस अवसर पर भारत के प्रतिष्ठित जादूगर एन.के. सभाट ने अपने अद्भुत जादुई करतबों से बच्चों एवं अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया तथा अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की सराहना की। चार दिवसीय समर कैंप के दौरान बच्चों के लिए अनेक शैक्षणिक, मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने इस कार्यक्रम का भरपूर का भ्रमण कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को लोहरदगा स्थित ग्रेटर त्रिवेणी पब्लिक स्कूल ले जाया गया, जहां उन्होंने स्विमिंग पूल में स्विमिंग का आनंद उठाया और खूब मस्ती की। बच्चों के लिए प्रात:कालीन ट्रैकिंग का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय से कुछ दूरी पर स्थित 27 नंबर स्कूल एवं 29 नंबर स्कूल तक अलग-अलग समूहों में ट्रैकिंग कराई गई। इस गतिविधि से बच्चों की शारीरिक क्षमता, सहनशीलता एवं आत्मविश्वास का विकास हुआ। विद्यालय परिसर में पॉन्टरी गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को भिड़्डी के बर्तन बनाने एवं शिल्पकला का प्रशिक्षण दिया गया।

वट सावित्री पूजा की धूम, सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा व्रत

महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा

बबू खान

नवप्रदेश/लातेहार। ज़िलेभर में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाई गई। सुबह से ही सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पूजा सामग्री के साथ वट वृक्ष के पास पहुंचीं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधा तथा पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थित वट वृक्षों के पास पूजा को लेकर विशेष चहल-पहल देखने को मिली। महिलाओं ने सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी और व्रत का पालन करते हुए पारंपरिक रीति-रिवाज निभाए। पूजा स्थलों पर भक्ति गीतों और



मंगल ध्वनि से माहौल भक्तिमय बना रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी वट सावित्री पूजा को लेकर खास उत्साह देखा गया। महिलाओं ने

एक-दूसरे को पूजा की शुभकामनाएं दीं और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। इस अवसर पर बाजारों में पूजा सामग्री,

फल और मिठाइयों की दुकानों पर भी अच्छी भीड़ रही। पूरे जिले में वट सावित्री पूजा आस्था और परंपरा के माहौल में संपन्न हुई।

लातेहार

बालूमाथ प्रखंड में ठप पड़ी 'जल-नल योजना' को लेकर जिला परिषद उपाध्यक्ष गंभीर

आंधी-तूफान से कई गांवों में जलमीनार व सोलर प्लेट क्षतिग्रस्त



लातेहार) को एक आधिकारिक पत्र सौंपकर अखिलंब कारंवाई करने की मांग की है।

जिला परिषद उपाध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में आए आंधी-तूफान और तकनीकी खराबियों के कारण प्रखंड के कई गांवों में 'जल-नल योजना' पूरी तरह ठप हो गई है, जिससे इस भीषण गर्मी में ग्रामीणों

के समक्ष पानी का विकट संकट खड़ा हो गया है।

उपाध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से विभाग को विभिन्न गांवों की जमीनी हकीकत से अवगत कराया है- **ग्राम-चित्रपुर:** मंगलदेव उरांव के घर के पास स्थित जलमीनार आंधी-तूफान के कारण उड़ गई है, जिससे पूरी आपूर्ति

बाधित है।

झाबर पंचायत (वार्ड 10, बनियां टोला हिमुनिया): यहाँ तूफान के कारण सोलर प्लेट गिर गया है और बोरिंग धंसने की कगार पर है।

झाबर ठाकुर टोली : इस टोले में पिछले काफी समय से नलों में पानी आना पूरी तरह बंद है, जिससे लोग बूंद-बूंद पानी को तरसर रहे हैं।

झाबर (दुर्गा मण्डप के पास): शशि भूषण सिंह के घर और दुर्गा मण्डप के समीप स्थापित जलमीनार पिछले 2 वर्षों से सफेद हाथी बनी हुई है। यहाँ बोरिंग पूरी तरह धंस चुका है, जिससे करीब 30 परिवारों के सामने रहने-खाने और पानी का संकट पैदा हो गया है। श्रीमती अनीता देवी ने

बाल संसद का शपथ

ग्रहण समारोह संपन्न

नवप्रदेश/लातेहार। जिला मुख्यालय स्थित धर्मपुथ पथ के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के श्री कृष्ण चंद्र गांधी ऑडिटोरियम में शनिवार को नवनिर्वाचित बाल संसद के सदस्यों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में लोकतांत्रिक मूल्यों को रेखांकित करते हुए छात्र प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दलाई गई। सभी प्रतिनिधियों ने विद्यालय के विक्सर, अनुशासन एवं स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय कार्यकारिणी समिति के सचिव रजनीव रंजन कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्जलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाल संसद विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, अनुशासन, उत्तरदायित्व और सेवा भावना सीखने की एक महत्वपूर्ण पाठशाला है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ बच्चों को भविष्य में आदर्श नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगी।

रांची, रविवार, 17 मई, 2026

07

एक नजर

लातेहार में आज से लागू हुआ ‘नो हेलमेट-नो फ्यूल’ नियम, बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं

नवप्रदेश/लातेहार। ज़िले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और उससे हो रही मौतों पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। उपायुक्त के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक कर आज से पूरे जिले में ‘नो हेलमेट-नो फ्यूल’ अभियान लागू करने का निर्देश दिया।बैठक में जिले के सभी पेट्रोल पंप मालिक शामिल हुए। डीटीओ उमेश मंडल ने स्पष्ट कहा कि अब बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। उन्होंने सभी पेट्रोल पंपों पर इस अभियान से संबंधित बैनर और पम्पलेंट लगाने तथा नियम का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। हेलमेट नहीं पहनने के कारण सड़क हादसों में मौत के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसे रोकने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यदि किसी पेट्रोल पंप में नियमों का पालन नहीं पाया गया, तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के इस फैसले के बाद जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ गई है।

पत्रकार से दुर्व्यवहार मामले में कार्रवाई की मांग,प्रेस क्लब ने जताई नाराजगी: अख्तर

नवप्रदेश/बरवाडीह। लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड पत्रकार के साथ कथित दुर्व्यवहार किए जाने के मामले में प्रेस क्लब लातेहार के सदस्य मो. अख्तर अंसारी ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने पेटी कॉन्ट्रैक्टर रंजीत शर्मा की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई करने की अपील की है। मो. अख्तर अंसारी ने बताया कि बरवाडीह स्थित बालिका परियोजना स्कूल में अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य की जांच सांसद प्रतिनिधि दीपक राज, दीपक तिवारी एवं जिला परिषद सदस्य संतोषी कुमारी द्वारा की गई थी। जांच के दौरान निर्माण कार्य में कई अनियमितताएं सामने आई थीं। इस संबंध में समाचार प्रकाशित होने के बाद पेटी कॉन्ट्रेक्टर रंजीत शर्मा द्वारा पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार गाली गलौज किए जाने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनके साथ अभद्र व्यवहार किसी भी हाल में बदरश्त नहीं किया जाएगा। मो. अख्तर अंसारी ने एएसपी कुमार गौरव, एसडीपीओ भरत राम तथा थाना प्रभारी अनुराग कुमार से मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई, तो प्रेस क्लब लातेहार आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा। मामले को लेकर पत्रकारों में भी रोष व्याप्त है और प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की जा रही है।

कचहरी परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के नए भवन की रखी गई आधारशिला

नवप्रदेश/लातेहार। शनिवार को कचहरी परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के नए भवन की आधारशिला रखी गई। आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में न्यायिक, प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ

अधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान जिला

एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह, उपायुक्त सदीप कुमार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव तथा उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद उपस्थित रहे।जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने पारंपरिक रीति-रिवाज एवं पूजा-अर्चना के साथ भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। वैदिक मंत्रोच्चारण मनीष पुरोहित द्वारा किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, वरिष्ठ अधिवक्ता राजमणि प्रसाद, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव संजय कुमार, वरीय अधिवक्ता सुनील कुमार, नवीन कुमार गुप्ता, बूंद बिहारी यादव, प्रदीप उपाध्याय, मनोज कुमार गुप्ता समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम में भवन निर्माण विभाग के अभियंता एवं सनाउल्लाह अंसारी सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे। नए भवन के निर्माण से अधिवक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद जताई जा रही है।

आजसू का सामाजिक मंथन सह युवा सम्मेलन आज

नवप्रदेश/लातेहार। पलामू प्रमंडल की राजनीति में रविवार को चंदवा से नई हलचल उठने वाली है।आजसू पार्टी की ओर से 17 मई 2026 दिन रविवार को चंदवा स्थित लादुबाबू बँवचेट हॉल में पलामू प्रमंडल स्तरीय ‘सामाजिक मंथन सह युवा सम्मेलन’ का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में पार्टी के प्रोग्रामो सुदेश महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और क्षेत्रभर से पहुंचे युवाओं के साथ सीधा संवाद कर संगठन की आगामी रणनीति का संकेत देंगे।आजसू इसे केवल सम्मेलन नहीं, बल्कि पलामू प्रमंडल के हक-अधिकार की लड़ाई का निर्णायक मंच बता रही है। माना जा रहा है कि कार्यक्रम के जरिए पार्टी क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर सरकार और प्रशासन पर सीधा दबाव बनाने की रणनीति तैयार करेगी।जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि पलामू प्रमंडल का युवा लगातार उपेक्षा और बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। ऐसे में यह सम्मेलन क्षेत्र के विकास, विस्थापितों के अधिकार और युवाओं के भविष्य को लेकर बड़ा संदेश देगा।उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन बदलाव की आवाज है। सुदेश महतो के नेतृत्व में युवाओं की ताकत को संगठित कर क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर निर्णायक लड़ाई की स्फुरेखा तैयार की जाएगी।सम्मेलन में कई अहम स्थानीय मुद्दों पर चर्चा और आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। प्रमुख मांगों में—डीवीसी और सीसीएल द्वारा भूमि अधिग्रहण में विस्थापितों को समान मुआवजा और एक समान दर लागू करने की मांग।स्थानीय उद्योगों और परियोजनाओं में क्षेत्रीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार।वर्षों से लंबित चंदवा ओवरब्रिज निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने की मांग।बालूमाथ और डीवीसी क्षेत्र में भारी वाहनों के अनियंत्रित परिवाहन पर रोक लगाने के लिए नो-एंट्री व्यवस्था लागू करने की मांग।राजनीतिक जानकारों की मानें तो सम्मेलन के बहाने आजसू पलामू प्रमंडल में अपनी राजनीतिक जमीन को और मजबूत करने की कोशिश में है। कार्यक्रम में लातेहार, पलामू और गढ़वा से हजारों युवाओं की भागीदारी की संभावना जताई जा रही है।आजसू पार्टी ने क्षेत्र के युवाओं, बुद्धिजीवियों और विस्थापित परिवारों से बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की है।

इंदिरा गांधी प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय में नव नामांकित छात्राओं का भव्य स्वागत

नवप्रदेश/बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित परियोजना इंदिरा गांधी मेमोरियल बालिक उच्च विद्यालय में कक्षा नवम में नव नामांकित छात्राओं के स्वागत हेतु भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दशम वर्ग की छात्राओं ने पारंपरिक नृत्य, स्वागत गीत एवं पुष्पवर्षा के साथ नवागतुक छात्राओं का गर्मजोशी से अभिनंदन किया।छात्राओं में मुख्य अतिथि समाजसेवी रामनाथ सिंह, विशिष्ट अतिथि वार्डन कान्ति कुंजूर, शिक्षिका मालती कुमारी सहित विद्यालय की प्रभारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों एवं नव नामांकित छात्राओं को सम्मानपूर्वक कार्यक्रम स्थल तक ले जाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत शिक्षक निर्मल सिन्हा द्वारा अतिथियों के परिचय एवं स्वागत भाषण से हुई।इसके बाद दशम वर्ग की छात्राओं प्रियांशु, आरती, दीपा एवं उनकी अहम स्थानियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।शिक्षक निर्मल सिन्हा ने छात्राओं को विद्यालय के अनुशासन एवं कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी देते हुए हर परिस्थिति में अनुशासन का पालन करने की सीख दी। वहीं वार्डन कान्ति कुंजूर ने छात्राओं को अनुशासन के साथ मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षिका मालती कुमारी ने छात्राओं से पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करने की अपील की।अरशद शाहनवाज सर ने विद्यालय के नियमों के पालन पर जोर दिया।

झारखंड के भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं का सिर्फ एक मकसद

झारखंड सरकार के खिलाफ झूठी अफवाह फैलाना तथा लोगों को दिग्भ्रमित करना है - चन्दन प्रकाश

नवप्रदेश/मैदिनीनगर: जो लोग आरक्षण से डॉक्टर बनने वाले पर टिका टिप्पणी करते नजर आते हैं वे आज भाजपा द्वारा अनपढ़ को पेपर लीक करके ? डॉक्टर बनाने के प्रयास पर चुप क्यों है? देश में कहीं भी पेपर लीक हो उसके मास्टरमाइंड का सम्बन्ध भाजपा से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से होना प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाजपा वालों के चरित्र को दर्शाता है देश में होने वाले तमाम प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए भाजपा को अपने कार्यकर्ताओं को खुले आम पेपर लीक कर चौक चौराहों बंचेने का अधिकार दे देना चाहिए।अपने कार्यकर्ताओं के लिए पेपर लीक करने के लिए कानूनी मान्यता दे

देना चाहिए। ये लोग अपने कार्यकर्ताओं को घर -घर जाकर लीकरी देने की मंशा रखते हैं। यदि इनका बस चले तो बेरोजगार और युवाओं को हाथ में कटोरा थमाकर सड़क पर ला दे। रोजगार के लिए प्रयासरत युवाओं के भविष्य से इनका कोई सरोकार नहीं है।उक्त बातें झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य सह पलामू जिला प्रवक्ता चन्दन प्रकाश सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा।जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में चन्दन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि झारखंड के भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं का सिर्फ एक मकसद झारखंड सरकार के खिलाफ झूठी अफवाह फैलाना तथा लोगों को दिग्भ्रमित करना है।



बात बात पर राज्यपाल को जापन सीपने वाले बाबूलाल मरांडी नीट परीक्षा पेपर लीक मामले में विधवा विलाप क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या पत्र लिखना भुल गए या पद छीनेने

से डर गए। बात बात पर सीना चौड़ा करके झारखंड के मंत्री इरफान अंसारी से संवाद करने वाले भानु प्रताप शाही किस बील में छूप गए?एक ओर जहां झारखंड में बिना किसी प्रमाण के विभिन्न परीक्षाओं के समाप्त होते ही पेपर लीक होने का झूठा मुद्दा बनाकर भाजपा वाले हाथ में तख्ती लेकर सड़क पर उतर जाते हैं वहीं नीट परीक्षा,बिहार का ईईटीओ और उत्तर प्रदेश के पटवारी परीक्षा के पेपर लीक मामले में झारखंड के भाजपा नेताओं की चुप्पी दिखलाता है कि इनका मकसद सिर्फ लोगों को भ्रमित करना है। भाजपा शासित राज्यों में एक भी ऐसी

परीक्षा नहीं है जो लीक नहीं हुआ हो। वहां के बेरोजगारों के भविष्य की चिंता इन्हें क्यों नहीं है। दरअसल जहां इनकी सरकार नहीं होती उस राज्य में ये लोग युवा एवं छात्रों के बीच सरकार के खिलाफ जहर फैलाते हैं।जब एनटीए ने पेपर लीक मामले को खुद स्वीकार किया है तो इसके खिलाफ आंदोलन क्यों नहीं। दुर्भाग्य की बात है इतने बड़े परीक्षा का प्रश्न पत्र दो से तीन लाख रुपए में सरेंआम बेचा गया। इस परीक्षा के पेपर लीक होयें है लाखों लोगों की जिंदगी को सीधा खतरा है।यदि एक अक्षम व्यक्ति पेपर लीक करके डॉक्टर

बनता है तो वह मरीज के लिए जानलेवा हो सकता है।वह सीधा लाखों मरीजों के जिंदगी को प्रभावित कर सकता है। ऐसे परीक्षा के पेपर लीक होने पर भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं का चुप्पी बेहद ही शर्मनाक और मानवता को शर्मसार करने वाला है।दुर्भाग्य की बात है कि पेपर लीक मामले में जिनके हाथ होता है वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा से जुड़े होते हैं जो स्पष्ट करता है कि देश में हो रहा है सारे परीक्षाओं के पेपर लीक में भाजपा का हाथ है। झारखंड में बीजेपी वाले पहले पेपर लीक कराते हैं उसके बाद मुद्दा बनाकर झारखंड वासियों से सहानुभूति बरबरना चाहते हैं।

सुखदेवा शिव मंदिर का 13 वा स्थापना दिवस धूमधाम से मना सनातन संस्कृति की रक्षा करना परम सौभाग्य- संजय सिंह

नवप्रदेश/मैदिनीनगर, सदर प्रखंड के पोपोल पंचायत अंतर्गत चामा गांव में स्थित सुखदेवा शिव मंदिर का 13 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिर के संस्थापक सह पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने शनिवार को अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की। वहीं बिद्वान पंडितों के द्वारा रुद्राभिषेक व पाठ का आयोजन किया गया। इसके पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया।वही मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।पूजा अर्चना को ले क्षेत्र गुंजयमान होता रहा। इस संबंध में युवा समाज सेवी सह पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि सुखदेवा शिव मंदिर का स्थापना वर्ष 2013 में किया गया था।।प्रत्येक वर्ष निश्चित तिथि को स्थापना दिवस मनाया जाता है जिसके तहत पूजा अर्चना रुद्राभिषेक व मंगल पाठ का आयोजन किया जाता है। साथ ही भंडारे का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की रक्षा करना हम सबों का परम धर्म है। उन्होंने कहा कि आज जो कुछ भी हूँ वह भगवान भोलेनाथ की कृपा से हूं। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करता हूँ कि क्षेत्र में सुशाहती व हरियाली रहे। उन्होंने कहा कि यह मंदिर हमारी भावी पीढ़ी के लिए संस्कारों की पाठशाला है।हम सभी को आज संकल्प लेने की जरूरत है कि यह पवित्र स्थान की मर्यादां स्वच्छता और दिव्यता को हमेशा बनाये रखेंगे।उन्होंने कहा कि हम कितने भी आगे बढ़ जाय लेकिन हमें अपने नैतिक मूल्यों धर्म और मानवता के मार्ग पर संदेह करना चाहिए क्योंकि मुक्ति का मार्ग यही है।इस मौके पर विपु जनों व दंदिद नारायण को भोजन करके अंगवस्त्र प्रदान कर विदा किया गया। मौके पर लक्ष्मण सिंह, विवेक सिंह, देवी समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

नये सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने दिया योगदान पुलिसकर्मियों ने माला पहनाकर व बुके प्रदान कर किया स्वागत

नवप्रदेश/मैदिनीनगर। अफजल अंसारी ने नये सदर थाना प्रभारी के रूप में योगदान दिया है। वहीं निवर्तमान थाना प्रभारी लालजी का स्थानांतरण वेनपुर थाना में किया गया है। श्री अंसारी के योगदान देने के बाद सदर थाना के एएसआई समाल अहमद, एएसआई नबी अंसारी, एएसआई सुजीत पांडेय, एएसआई पंकज तिवारी, अरविंद दूबे, एसके पांडेय, तिलेश्वर रजक, विनाय सिंह समेत कई पुलिस कर्मियों ने नये थाना प्रभारी अफजल अंसारी को माला पहनाकर व बुके प्रदान कर स्वागत किया। मौके पर अफजल अंसारी ने कहा कि सदर थाना क्षेत्र को भायकुम, अपराधमुक्त बनाकर शांति कायम करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस व जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाकर लोगों के समस्या का समाधान किया जायेगा।

बलराम में प्राण प्रतिष्ठा संपन्ना, भंडारे में उमड़ी भीड़

नवप्रदेश/हरिहरगंज। हरिहरगंज प्रखंड के बलरा गांव में आयोजित शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय एवं नंदी जी की प्राण प्रतिष्ठा सह पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शनिवार को हवन-पूणाहुति और भव्य भंडारे के साथ संपन्न हो गया।

ग. मंदिर परिसर में पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही. आयोजन समिति के वंदन सिंह, नरेंद्र सिंह एवं अनुज उर्फ कुंदन सिंह के नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया. अनुष्ठानकर्ता सह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सच के जिला अध्यक्ष एवं हरिहरगंज कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा गांव के लिए आस्था और गौरव का विषय है. उन्होंने कहा कि धार्मिक अनुष्ठान क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की भावना से आयोजित किया गया. जानकारी के अनुसार अनुष्ठान की शुरुआत बुधवार को जल यात्रा से हुई थी. इसके बाद गुरुवार को अर्चनादिवस, शुक्रवार को नगर भ्रमण व महारुद्राभिषेक तथा शनिवार को हवन-पूणाहुति एवं भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए. मौके पर पथरा ओपी प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह, एसआइ अजय कुमार, भोलू सिंह, रतन सिंह, अर्चना सिंह, भारती सिंह, स्व. ललित सिंह के परिजन, संतोष सिंह, हरेद्र सिंह, गोल्ड सिंह, अभित सिंह, नरेश सिंह, जिप्सी सिंह, विमलेश सिंह, रंजन सिंह, लव सिंह, सर्येंद्र सिंह, ललित सिंह, सुबोध सिंह, सोनू सिंह, उमेश सिंह, सुमित सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

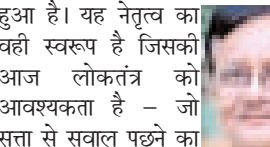
डालसा के ओर से जमुने में चला डोर टू ओर अभियान

नवप्रदेश/पलामू। पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राहें अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर व डालसा सचिव राकेश रंजन के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय गहन जागरूकता एवं आउटरीच प्रोग्राम के तहत सदर प्रखंड के जमुने पंचायत के विभिन्न टोला में जागरूकता अभियान चलाया गया।इस मौके पीपलवी ज्योति वर्मा के द्वारा बात श्रम,बाल विवाह उन्मुक्त होने के तो लोगों को जागरूक किया गया। पीपलवी ज्योति वर्मा ने कहा कि बच्चों से काम कराना कानूनन जुर्म है। उन्होंने मानव तस्करी, पोक्सो एक्ट,झारखंड पीडित प्रतिकार अधिनियम, लोक अदालत ,मध्यस्था आदि के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जो लोग खुद से लड़ने में सक्षम हज है उन्हें डालसा के माध्यम से मुक्त करील मुहैया कराया जाता है ताकि कोई भी कमजोर व अतिवर्ग वर्ग न्याय पाने से बेवत न रहे।उन्होंने डालसा द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम व बिलक सेवाओं के बारे में भी बिस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर पीपलवी नेहा कुमारी,सुष्मा कुमारी,कविता कुमारी के अलावे दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

धनबाद सी ओ के द्वारा लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश नहीं चलेगी

झारखंड की राजनीति हमेशा जनसंघर्ष, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूत परंपरा से प्रेरित रही है। यह वही धरती है जहाँ जनता की आवाज को सर्वोपरि माना गया और सत्ता को हमेशा जनभावनाओं के प्रति जवाबदेह रहने का संदेश दिया गया। ऐसे समय में जब धनबाद में जनहित के मुद्दों को उठाने वाले कार्यकर्ता नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए जाने की खबर सामने आती है, तब यह केवल एक राजनीतिक घटना नहीं रह जाती, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। इस पूरे घटनाक्रम के झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जिस स्पष्टता, साहस और प्रतिबद्धता के साथ अपनी बात

रखी है, वह न केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है, बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर नागरिक के लिए आश्चस्त्र करने वाला संदेश भी है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी अत्याय, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक दमन के सामने कभी झुकने वाली नहीं है। लोकतंत्र में विरोध की आवाज को मुकदमों और दबाव की राजनीति से दबाने की कोशिशें हमेशा असफल रही हैं और आगे भी असफल होंगी। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का यह रुख बताता है कि वे केवल संगठनात्मक नेता नहीं, बल्कि जनभावनाओं के सच्चे प्रतिनिधि हैं। उन्होंने जिस दृढ़ता के साथ धनबाद के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समर्थन में आवाज उठाई है, उससे पूरे संगठन का मनोबल मजबूत



हुआ है। यह नेतृत्व का वही स्वरूप है जिसकी आज लोकतंत्र को आवश्यकता है – जो सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखता हो और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ा हो। विशेष रूप से धनबाद जिला कांग्रेस कमेट्री के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और उनके साथियों ने जिस निर्भीकता के साथ जनसमस्याओं, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाई है, वह प्रशंसनीय है। लोकतंत्र में जनता की समस्याओं को उठाना विपक्ष और जनप्रतिनिधियों का संवैधानिक दायित्व है। यदि जनहित से जुड़े प्रश्न पूछना अपराध माना जाने लगे, तो यह लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक संकेत होगा।

संतोष सिंह ने यह साबित किया है कि सच्ची राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की पीड़ा को आवाज देने का दायित्व भी है। ऐसे संघर्षशील नेतृत्व को मुकदमों से डराना नहीं जा सकता। बल्कि इस प्रकार की कार्रवाई उनके संघर्ष को और अधिक मजबूत करेगी। धनबाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिस संयम और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी, वह इस बात का प्रमाण है कि उनका आंदोलन जनहित और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। दूसरी ओर, धनबाद के अंशलाधिकारी का रवैया कई गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रशासन का दायित्व जनता की समस्याओं का समाधान करना होता है, न कि विरोध की आवाज को दबाने के

लिए दमनात्मक कदम उठाना। यदि शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन और जनसमस्याओं को उठाने वाले नेताओं पर प्राथमिकी दर्ज की जाती है, तो यह प्रशासनिक असहिष्णुता और तानाशाही मानसिकता का परिचायक माना जाएगा। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है। संविधान प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल को शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। प्रशासन यदि इस अधिकार को दबाने का प्रयास करेगा, तो जनता में अविश्वास और आक्रोश स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। यह समझना आवश्यक है कि सत्ता और प्रशासन जनता के सेवक हैं, मालिक नहीं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन लोकतांत्रिक मर्यादाओं

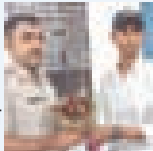
का सम्मान करे और जनप्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुने। मुकदमों और दबाव की राजनीति किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र संवाद, संवेदनशीलता और जवाबदेही से चलता है, दमन और भय से नहीं। धनबाद की यह घटना केवल एक जिले की घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा है। ऐसे समय में केशव महतो कमलेश जैसे नेतृत्व और संतोष सिंह जैसे संघर्षशील जननेताओं की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जनता को सहीरता दे, विकास और जनहित की आवाज अंततः विजयी होगी, क्योंकि लोकतंत्र की ताकत किसी भी प्रशासनिक दमन से कहीं अधिक बड़ी होती है।

लेखक हजयानंद मिश्र एडवोकेट एवं सदस्य समन्वय समिति झारखंड प्रदेश कांग्रेस

एक नजर

पीपरा थाना के नए प्रभारी बने प्रदीप शर्मा

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज। पीपरा थाना के नए थाना प्रभारी के रूप में प्रदीप शर्मा ने पदभार ग्रहण कर लिया है. इससे पूर्व थाना की जिम्मेदारी बिमल कुमार के पास थी. पदभार ग्रहण करने के बाद प्रदीप शर्मा ने प्रेस से बातचीत करते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना और अपराधमुक्त माहौल बनाना होगा. उन्होंने आम लोगों से पुलिस का सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि जनता और पुलिस की सहभागिता से ही बेहतर कानून व्यवस्था संभव है. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अमन-धन व विश्व व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. अवैध कारोबार में संलग्न लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा. वहीं थाना आने वाले फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं पर त्वरित कानूनी कार्रवाई की जाएगी. थाना प्रभारी ने कहा कि पीपरा थाना क्षेत्र की ग्रामीण जनता बिना किसी डर व भय के अपनी समस्याएँ पुलिस तक पहुँचा सकती है, जरूरतपेसी की सेवा के लिए पुलिस 24 घंटे अलसक्त रहेगी. मौके पर एसआइ नकुल शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे.



बिना चालान ओवरलोड स्टोन चिप्स लदा ट्रैक्टर जब्त

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत थररा ओपी पुलिस ने अवैध खनन व ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्टोन चिप्स लदे एक महिंद्रा ट्रैक्टर को जब्त किया है. कार्रवाई सतैया पंचायत के रबदी गांव के समीप वाहन जाँच अभियान के दौरान की गयी वी. अभियान का नेतृत्व पथरा ओपी प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह कर रहे थे. जानकारी के अनुसार महिंद्रा ट्रैक्टर संख्या बीआर 02 जीए 4877 पर भारी मात्रा में स्टोन चिप्स लदा हुआ था.

जांच के दौरान बालक से खनिज परिवहन से संबंधित चालान एवं अन्य दूध कागजात मांगे गये, लेकिन बालक कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके. जांच में ट्रैक्टर पर निश्चित क्षमता से अधिक स्टोन चिप्स लदा पाया गया, जिससे ओवरलोडिंग की पुष्टि हुई. पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर अमेरत कार्रवाई शुरू कर दी है. मामले की रिपोर्ट संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेज दी गयी है.

कौवाखोह टोल प्लाजा के पास क्रेटा व बाइक की टक्कर, युवक घायल

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज : हरिहरगंज थाना क्षेत्र के कौवाखोह टोल प्लाजा के समीप एनएच-139 पर शनिवार को क्रेटा कार और बाइक के बीच टक्कर हो गयी. हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल की पहचान थाना क्षेत्र के वनसंति गांव निवासी राजेश्वर यादव के 28 वर्षीय पुत्र गुड्डू यादव के रूप में हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार क्रेटा कार मैदिनीनगर से हरिहरगंज की ओर आ रही थी. इसी दौरान कौवाखोह टोल प्लाजा के समीप गुड्डू यादव बाइक से सड़क पार कर रहा था, अभी कार की चपट में आ गया. टक्कर के बाद मौके पर अफरातफरी मच गयी. स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज पहुँचाया गया. सीएस्वी में ऑन ड्यूटी डॉ. अरविंद कुमार एवं डॉ. सुनील कुमार ने घायल का प्राथमिक उपचार किया. चिकित्सकों ने बताया कि युवक के दाहिने कंधे समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आयी हैं. बेहतर इलाज के लिए उस हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. अक्षर, सूचना मिलने पर हरिहरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त क्रेटा कार संख्या जेएफ01 डीई 3101 को जब्त कर थाना ले आयी. पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है.

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अनाथ बच्चों से मिलने सुदूरवर्ती गांव एकोनी पहुंचे उपायुक्त

बच्चों का हाल जाना, योजनाओं से जोड़ने का दिया निर्देश, कहा – जब भी जरूरत हो, मुझे फोन करना

नवप्रदेश/मैदिनीनगर/पलामू जिला प्रशासन की संवेदनशील कार्यशील एक बार फिर सामने आयी, जब शनिवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत स्वयं जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर हुसैनाबाद प्रखंड के लोटनिया पंचायत अंतर्गत एकोनी गांव पहुंचे और वहां रहने वाले तीन अनाथ बच्चों से मुलाकात की। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्यक्ति द्वारा जानकारी दी गयी थी कि एकोनी गांव में तीन छोटे बच्चे अपने माता-पिता को खो चुके हैं तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही पलामू उपायुक्त को बच्चों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के निर्देश के तुरंत बाद उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया और आज स्वयं गांव पहुंचकर बच्चों एवं उनके परिजनों से संवाद किया। इस दौरान उनके साथ हुसैनाबाद एसडीओ, बीडीओ एवं सीओ भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने बच्चों से आत्मनिष्ठा के साथ बातचीत करते हुए उनकी समस्याओं, पारिवारिक स्थिति एवं भविष्य को लेकर जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल बच्चों को पोस्टनर्सरिप योजना से जोड़ने तथा पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिलाने का निर्देश दिया। साथ ही राशन कार्ड में दो बच्चों का नाम जोड़ने की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी करने को कहा।बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की दृष्टि से पलट करते हुए उपायुक्त ने अंत्यल अधिकारी को निर्देश दिया कि भविष्य में रजिस्ट्री डीड के माध्यम से बच्चों को उनकी पेतृक संपत्ति में विधिवत हिस्सेदारी सुनिश्चित करायी जाये।

छत्तरपुर थाना में नए थाना प्रभारी ने संभाला पदभार

नवप्रदेश/छत्तरपुर। पलामू जिले के छत्तरपुर थाना में शनिवार को नए थाना प्रभारी के रूप में सौरभ चौबे ने पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं जनसुरक्षा को लेकर आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर थाना प्रभारी सौरभ चौबे ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तत्परता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने लोगों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। पदभार ग्रहण के दौरान थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

हरिहरगंज व पीपरा में सुहागिनों ने की वट पूजा

नवप्रदेश/हरिहरगंज/हरिहरगंज व पीपरा प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को सुहागिन महलडोआ ने पति की लगी आयु व अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर श्रद्धा एवं भक्ति भाव से वट सावित्री पूजा की।

सुबह से ही विभिन्न गाँवों व बाजारों में स्थित बरगद के पेड़ों के पास पूजा-अर्चना के लिए महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी. हरिहरगंज प्रखंड के मेन बाजार, आरसीताल खूद, अररुआ खुर्द, बेनोदर, खडगपुर, सुल्तानी व बलरा जबकि पीपरा प्रखंड के पीपरा बाजार, अंशारी बाग, बभंडी, बरदाग समेत कई गाँवों में महिलाओं ने विधि-विधान के साथ वट वृक्ष की पूजा की। सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार कर पूजा स्थल पहुंची और वट वृक्ष पर जल अर्पित कर अक्षत, कुमकुम व फूल चढ़ाकर पूजा-अर्चना की. इसके बाद महिलाओं ने सूत का धागा बांधकर वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए पति की दीर्घायु की कामना की। नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारी शिला चौधरी ने कहा कि वट सावित्री व्रत अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाला पर्व माना जाता है. श्रद्धा और नियमपूर्वक यह व्रत करने से पति की लंबी आयु एवं सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. पूजा में सज्ज देवी, रानी देवी, सुखी कुमारी, सुमित्रा देवी, गंगोत्री देवी, प्रभा देवी, सरिता दे

झा मु मो पलामू जिला के बुद्धि जीवी मोर्चा के जिला संगठन सचिव बने बलराम सिंह

पांकी पलामू/ थाना रोड स्थित बाबा मैरिज हॉल में आयोजित झामुमो के के एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन में पांकी प्रखंड कमेट्री का गठन किया गया। जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा की उपस्थिति में सर्वसम्मति से मिथिलेश पांडे को प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं बलराम सिंह को बुद्धिजीवी मोर्चा का संघटन सचिव बनाया गया। सुनील ठाकुर एवं सुनील यादव को प्रखंड सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। सम्मेलन में पहुंचने पर जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा सहित जिला कमेट्री का कार्य कर्ताओ ने ढोल मांदर बजाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम से पूर्व राजेंद्र सिन्हा, मनोज सिन्हा सहित झामुमो नेताओं ने कपूर्वी चौक इस्थित जननायक कपूर्ी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष दिवंगत मुन्ना सिन्हा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और 2 मिनट का मॉन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी-20

विश्व कप से पहले लिया महाकाल का आशीर्वाद

उज्जैन। टी-20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के सदस्यों ने शनिवार अलसुबह मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ी तड़के करीब 3 बजे उज्जैन पहुंचे और बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। इनमें टीम की कप्तान हरमनप्रीत के साथ शेफाली वर्मा, भारतीय फुलमाली, दीपति शर्मा, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़,

श्रेयंका पाटिल, राधा यादव समेत अन्य खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ सदस्य शामिल रहे। भस्म आरती के दौरान खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आई। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

इंग्लैंड एंड वेल्स की मेजबानी में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत 12 जून से हो रही है। टूर्नामेंट का फाइनल 5



जुलाई को खेला जाएगा। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नीदरलैंड्स और दक्षिण

अफ्रीका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। भारतीय टीम अपना पहला मैच 14 जून को पाकिस्तान के साथ

खेलेगी। भस्म आरती में बाबा के अलौकिक रूप के हुए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान अलौकिक और

दिव्य वातावरण देखने को मिला। सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में विराजित सभी देवी-देवताओं का विधिवत पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया कि प्रथम घंटाल बजाकर बाबा महाकाल पर हूहरि ओमहू का जल अर्पित किया गया। भगवान गणेश, माता पार्वती और कार्तिकेय स्वामी का पूजन कर बाबा महाकाल को फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। कपूर आरती पश्चात भगवान को भस्म अर्पित कर भस्म आरती संपन्न हुई। इस दौरान बाबा महाकाल को चिता

भस्म रमाई गई। महा निवार्षी अखाड़े की ओर से भस्म अर्पित की गई।

इसके बाद मस्तक पर त्रिपुण्ड और त्रिशूल के साथ डमरू एवं शेषनाग स्वरूप रजत मुकुट धारण कराया। रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष माला और सुगंधित पुष्पों की मालाओं से बाबा का दिव्य स्वरूप भक्तों को मंत्रमुग्ध करता रहा। मान्यता है कि भस्म अर्पण के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मंदिर परिसर में ह्रजय श्री महाकालहू के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

आईपीएल 2026: पंत ने बताया क्यों नहीं उतरे बल्लेबाजी करने बोले- ज्यादा सोच टीम को नुकसान पहुंचा सकती है

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उस समय बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जब टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन विकेट गंवा दिए थे। मैच के बाद पंत ने खुलासा किया कि यह फैसला उन खिलाड़ियों को मौका देने के लिए लिया गया, जिन्हें आईपीएल 2026 में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था।

188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 12वें ओवर तक बिना विकेट खोए 135 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम ने नौ रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बावजूद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। निकोलस पूरन के बाद अब्दुल समद और मुकुल चौधरी को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। आखिरकार एलएसजी ने सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर



लिया। मैच के बाद पंत ने कहा, मैं बल्लेबाजी के लिए तैयार था, लेकिन टीम मैनेजमेंट की ओर से विचार आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिन्हें इस सीजन में ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं। मैं लगातार सोच रहा था कि मुझे जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि मैं मैदान पर उतरना चाहता था। लेकिन कभी-कभी आपको टीम के सोच और फैसले का सम्मान करना पड़ता है। इस सीजन में पंत ने नंबर-4 से नीचे बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 11 पारियों में सात बार नंबर-3, तीन बार नंबर-4 और एक बार ओपनिंग

रणनीति पर बात करते हुए पंत ने कहा, हूहमारा पहला विचार यही था कि दो विदेशी बल्लेबाज ओपनिंग करें और निकी (निकोलस पूरन) नंबर-3 पर बल्लेबाजी करें। लेकिन कई बार सोच को मैदान पर सही तरीके से लागू करना मुश्किल हो जाता है। हमें अपनी टीम पर भरोसा है, लेकिन निराशा तब होती है जब आपको पता हो कि आपकी टीम में क्षमता है, फिर भी छोटी-छोटी रणनीतिक बातों के कारण आप अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाते।

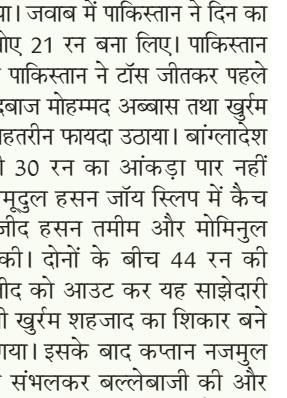
उन्होंने आगे कहा, मेरे हिसाब से टीम को सबसे ज्यादा नुकसान ज्यादा सोच से हो सकता है। एंड्रे मार्करम ने भी टीम के लिए ओपनिंग की है। टीम ने विदेशी खिलाड़ियों को शीर्ष क्रम में उतारने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन यह लगातार सफल नहीं हो सकी। इंग्लिस लंबे समय तक टीम से बाहर रहे, जबकि मार्करम और निकोलस पूरन भी उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सके।

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026: प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

बुखारेस्ट। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोर्ग सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलरींजा फिरोजा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरुआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं। यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुबानी देकर आक्रामक खेल दिखाया था। हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरों का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-राबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

सिलहट टेस्ट : लिटन दास के शतक से संभला बांग्लादेश, पहली पारी में बनाए 278 रन

सिलहट। यहां खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास के शानदार शतक की बदौलत बांग्लादेश ने मुश्किल स्थिति से उबरते हुए मजबूत वापसी की। बांग्लादेश की टीम एक समय 116 रन पर 6 विकेट गंवाकर संकट में थी, लेकिन लिटन दास की 159 गेंदों पर 126 रन की तेजतर्रार पारी ने टीम को 278 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में पाकिस्तान ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना विकेट खोए 21 रन बना लिए। पाकिस्तान अभी भी 257 रन पीछे है। इससे पहले पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास तथा खुर्रम शहजाद ने शुरुआती परिस्थितियों का बेहतरीन फायदा उठाया। बांग्लादेश के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में कोई भी 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। महज पहले ओवर में महमुदुल हसन जाँय स्लिप में कैच देकर आउट हो गए। इसके बाद तंजीद हसन तमीम और मोमिनुल हक ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 44 रन की साझेदारी हुई, लेकिन अब्बास ने तंजीद को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी। कुछ ही देर बाद मोमिनुल भी खुर्रम शहजाद का शिकार बने और बांग्लादेश का स्कोर 63/3 हो गया। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मुशफिकुर रहीम ने संभलकर बल्लेबाजी की और टीम को लंच तक 101/3 तक पहुंचाया। हालांकि लंच के बाद पाकिस्तान ने तेजी से वापसी की। अब्बास ने शांतो को आउट किया, जबकि शहजाद ने मुशफिकुर रहीम और मेहदी हसन मिराज को पवेलियन भेजकर बांग्लादेश को 116/6 की मुश्किल स्थिति में पहुंचा दिया। ऐसे समय में लिटन दास ने तैजुल इस्लाम के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 60 रन जोड़े। तैजुल के आउट होने के बाद भी लिटन ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। उन्होंने लगातार चौके-छक्के लगाते हुए अपना शानदार शतक पूरा किया। लिटन ने खुर्रम शहजाद की गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया और आखिरी ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। नीवें विकेट के लिए लिटन दास और शरीफुल इस्लाम ने 64 रन की अहम साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आखिरकार लिटन हसन अली की शॉर्ट गेंद पर आउट हुए।



फाफामऊ, खेलगांव, कैंटोनमेंट और भानु प्रताप क्लब विजयी



केएस स्पोर्ट्स अंडर 12 क्रिकेट में लकी का हरफनमौला खेल, आदित्य व अर्पित भी चमके

प्रयागराज। फाफामऊ क्लब, खेलगांव पब्लिक स्कूल लकी, कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब ए और भानु प्रताप क्लब ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर केएस स्पोर्ट्स अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। फाफामऊ क्लब के लकी सरोज ने बहुमुखी खेल का प्रदर्शन किया।

शनिवार को फाफामऊ मैदान पर

खेले गए मैच में सेंट जोसेफ स्कूल क्लब कुंडा ने 25 ओवर में 9 विकेट पर 140 रन (अभिनव यादव 44, अभिनव सिंह 22, आयुष पटेल 18 नाबाद) बनाए। जवाब में फाफामऊ क्लब ने 24.5 ओवर में 8 विकेट पर 143 रन (लकी सरोज 74, दीपांश सिंह 14 आदि) बना लिए। लकी सरोज को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

खेलगांव पब्लिक स्कूल मैदान पर इलाहाबाद पब्लिक स्कूल ने 25 ओवर में 7 विकेट पर 99 रन बनाए। जवाब में खेलगांव पब्लिक

स्कूल बी ने 21.1 ओवर में 6 विकेट पर 101 रन बना लिए। शौर्य कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

चक हरिहरगंज ड्रॉसी मैदान पर पहले मैच में कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब बी ने 22.2 ओवर में 71 रन बनाये। जवाब में कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब ए ने 14.4 ओवर में सात विकेट पर 75 रन बना लिए। सजल तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरे मैच में भानु प्रताप सिंह क्लब ने 25 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन (आदित्य सिंह 41 नाबाद, प्रतीक सिंह 30, प्रत्यूष त्रिपाठी 25, ओम जायसवाल 19 आदि ने) बनाए। जवाब में शार्प क्लब की टीम 16.5 ओवर में 73 रन (शुभ मंगल राजपूत 17, शौर्य सिंह यादव 16) पर सिमट गई। आदित्य सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले हम दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार : सलीमा टेटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में कड़ी मेहनत कर रही है और किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्जेंटीना दौरे के बाद टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत करने में जुटी हुई है।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में सलीमा टेटे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। सलीमा ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है, इसलिए मुकाबले उच्च स्तर के होंगे। हम ऑस्ट्रेलिया को भी अवसर दिए जा रहे हैं। उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे।



कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है और हम सभी उनकी मेहनत के लिए आभारी हैं

कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है और हम सभी उनकी मेहनत के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार सुधार कर रही है और युवा खिलाड़ियों की तैयारियों का सबसे अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी

लगातार समर्थन करना होगा ताकि वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। राष्ट्रीय शिविर में चल रही कड़ी फिटनेस ट्रेनिंग पर बात करते हुए सलीमा ने कहा कि फिटनेस टीम की तैयारियों का सबसे अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी

मेहनत कर रहा है। किसी भी टीम को हराने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी है। जुनियर टीम भी अपनी फिटनेस बनाए रखने पर पूरा ध्यान दे रही है। हमारी फिटनेस बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने में मदद करेगी। हमने विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा खेल

दिखाया था, लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है। टीम की वापसी को देखते हुए फिटनेस हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

सलीमा ने अर्जेंटीना दौरे को टीम के लिए बेहद उपयोगी अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि वहां शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने से टीम संयोजन को समझने और युवा खिलाड़ियों को वरिष्ठ टीम में ढालने में काफी मदद मिली। उन्होंने कहा, अर्जेंटीना में पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। इतनी मजबूत टीमों के खिलाफ खेलना हमारे लिए बड़ी उपलब्धि रही। इससे ऑस्ट्रेलिया दौरे, नेशंस कप, विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में काफी मदद मिली है। फिलहाल हमारा पूरा ध्यान ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और हम वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि

अगले टूर्नामेंटों के लिए

आत्मविश्वास बढ़े। कप्तान ने कहा, हूहम अर्जेंटीना दौरे की लय को ऑस्ट्रेलिया में भी जारी रखना चाहते हैं। हमें अनुशासित रहना होगा, अपनी रणनीति पर फोकस करना होगा और कोच के निर्देशों का पालन करना होगा। हर खिलाड़ी को अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करना होगा ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके। दबाव जरूर होगा, लेकिन हम उससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेगी। यह दौरा न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एफआईएच महिला नेशंस कप की तैयारियों का अहम हिस्सा है। भारतीय टीम 26 मई से 30 मई के बीच चर्च हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबले खेलेगी।



को भी टीम में शामिल किया है। अंडर-19 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले लॉज ने पांच मैचों में 10 विकेट हासिल किए थे और वेस्टइंडीज के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। गुयाना अमेजन वॉरियर्स के प्रमुख स्पिनर गुडकेश मोती अब बारबाडोस ट्राइडेंट्स की ओर से खेलेंगे। मोती ने पिछले सीजन में इमरान ताहिर के साथ शानदार

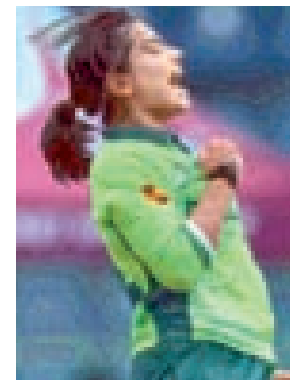
साझेदारी निभाई थी और टीम को सीपीएल तथा ग्लोबल सुपर लीग का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बारबाडोस ने वेस्टइंडीज के ओपनर ब्रैंडन किंग को भी रिटेन किया है। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने मोती की जगह खेरी पिरेरे को शामिल किया है। टीम ने शिमरॉन हेटमावर, शाई होप, रोमारियो शेफर्ड और शमार जोसेफ को भी बरकरार रखा है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, डायना बेग की वापसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 और उससे पहले आवरलैंड में होने वाली त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। आवरलैंड, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच यह त्रिकोणीय श्रृंखला 28 मई से 4 जून तक डबलिन में खेली जाएगी, जिसे विश्व कप की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान टीम की कप्तानी एक बार फिर फातिमा सना को सौंपी गई है। वहीं, एमन फातिमा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, साइरा जबीन और तस्मिया रुबाब पहली बार महिला टी20 विश्व कप में हिस्सा लेंगी।

हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई टी20 श्रृंखला की टीम से केवल अंबर कैनात को बाहर किया गया है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज डायना बेग की टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा छह खिलाड़ियों को रिजर्व सूची में रखा गया है।



पाकिस्तान टीम

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, अयशा जफर, डायना बेग, एमन फातिमा, गुल फिरोजा, इमर जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, साइरा जबीन, तस्मिया रुबाब और दुबा हसन। रिजर्व खिलाड़ी अंबर कैनात, मोमिना रियासत, सदफ शमास, सिदरा अमीन, सैयदा

अरूब शाह और उम्म-ए-हानी। महिला टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान के मुकाबले 14 जून : भारत बनाम पाकिस्तान, बर्मिंघम

17 जून : पाकिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, बर्मिंघम

20 जून : पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, साउथम्पटन

23 जून : पाकिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, हैडिंग्ले

27 जून : पाकिस्तान बनाम नीदरलैंड्स, ब्रिस्टल

विश्व कप से पहले पाकिस्तान टीम दो अस्थायी मैच भी खेलेगी। पहला मुकाबला 6 जून को श्रीलंका और दूसरा 9 जून को स्कॉटलैंड के ऑकलैंड में होगा। पाकिस्तान अपना विश्व कप अभियान 14 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ एजबेस्टन, बर्मिंघम में शुरू करेगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान टीम हाल ही में अपने घर में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने में सफल रही थी।

पेट्रोल-डीजल की नहीं होगी फिल्लत उपायुक्त ने कालाबाजारी पर सख्ती के दिए निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। समाहरणालय सभागार में शनिवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन हिन्दुस्तान पेट्रोलियम तथा भारत पेट्रोलियम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान तीनों तेल कंपनियों के अधिकारियों ने जानकारी दी कि जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है तथा किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि ईंधन की आपूर्ति पूरी



तरह सामान्य है और सभी पेट्रोल पंपों पर नियमित रूप से सप्लाई जारी है। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि पेट्रोल, डीजल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और तेल कंपनियों को लगातार निगरानी रखने तथा आम लोगों को बिना किसी परेशानी के सुचारु रूप से ईंधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, जिले के सेल्समैन एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे।

लबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश



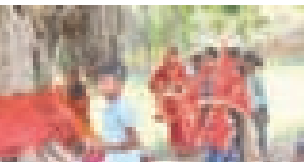
नव प्रदेश/कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में योजना एवं विकास शाखा तथा सभी इंजीनियरिंग विंग के साथ अनट्वाइड फंड, डीएमएफटी, सांसद निधि (एम.पी. लैड) एवं विधायक निधि (एम.एल.ए. लैड) योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों से उक्त मद्दों से संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा सभी लबित योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला योजना पदाधिकारी अप्पु कुजूर सहित संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सतगावां: तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से महिला की मौत, बीमार पति और बच्चों पर टूटा दुखों का पहाड़

नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां थाना क्षेत्र के गया-देवघर मुख्य मार्ग स्थित नासरगंज मोड़ के पास शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 52 वर्षीय आशा देवी की मौत हो गई। मृतका नासरगंज निवासी दिनेश मंडल की पत्नी थीं। जानकारी के अनुसार आशा देवी पैदल घर लौट रही थीं, तभी तेज रफ्तार बाइक जेएच 12 एस 6558 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल कोडरमा रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें नवादा ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में गोविंदपुर के पास उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। मृतका के पति लंबे समय से लकवा से पीड़ित हैं और घर की पूरी जिम्मेदारी आशा देवी ही संभाल रही थीं। पुलिस ने बाइक जल कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

अखंड सौभाग्य और पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर महिलाओं ने श्रद्धा व विश्वास के साथ की वट सावित्री पूजा

नव प्रदेश संवाददाता/ मरकच्चो। प्रखंड के पडरिया, नईटांडा, नावादा, बजलाढाब, नावाडीह, जामु, दशारो, डुमरडीहा, मुर्कमनाई, खेसमी, डोगोडीह, लालुडीह, लोहडीयो, बिहदुपुर, सेतरिया, पहाडीह और गरगडीहा समेत विभिन्न गांवों में



शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने पूरे श्रद्धा, उत्साह और निष्ठा के साथ वट सावित्री पूजा की। महिलाएं दुल्हन की तरह सज-संवरकर गांव के बरगद पेड़ के नीचे पहुंचीं, जहां पहिनाओं द्वारा सत्यवान और माता सावित्री की कथा सुनाई गई। इसके बाद महिलाओं ने बरगद वृक्ष की पूजा-अर्चना कर धागा लपेटते हुए अपने पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माता सावित्री ने अपने दृढ़ सकयप, पतिव्रता धर्म और अटूट विश्वास से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी आस्था के प्रतीक के रूप में महिलाएं हर वर्ष वट सावित्री व्रत रखती हैं। पूजा के दौरान गांवों में भक्तिमय माहौल बना रहा। मोके पर सुनीता देवी, पार्वती देवी, अनिता देवी, पुलिस देवी समेत सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थीं।

निजी विद्यालयों में पारदर्शिता एवं नियमों के अनुपालन को लेकर जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता/ कोडरमा। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिले के सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों के साथ जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के आलोक में निजी विद्यालयों में शुल्क निर्धारण, किताबों की उपलब्धता, फीस वृद्धि एवं नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों ने शुल्क निर्धारण, किताबों की उपलब्धता एवं फीस वृद्धि से संबंधित अपने सुझाव एवं शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। वहीं सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों ने भी अपनी-अपनी बातें एवं समस्याएं प्रस्तुत कीं। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी निजी विद्यालय पारदर्शिता के साथ कार्य करें तथा शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए राज्य सरकार के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों के अनुपालन में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि राज्य सरकार के निर्देशों की अवहेलना करने वाले निजी विद्यालयों के विरुद्ध जुमाना लगाने सहित आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के हित एवं उनके उच्चतर भविष्य के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। बैठक में आर्टिईई के तहत नामांकन प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार सहित जिले के सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रबंधक एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ महिलाओं ने की वट सावित्री व्रत की पूजा पति की लंबी उम्र की कामना की

नव प्रदेश संवाददाता

चंदवारा। शनिवार को वट सावित्री व्रत' पूरी श्रद्धा और उत्सास के साथ मनाया पूरे प्रखंड में मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुख-समृद्धि की कामना के साथ यह उपवास रखा है। सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों और प्रमुख चौराहों पर स्थित बरगद (वट) के पेड़ों के नीचे पूजा-अर्चना के लिए महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। ?परंपरागत रूप से



हुई पूजा- अर्चना ?सोलह श्रृंगार कर, पारंपरिक परिधानों में सजी

महिलाओं ने वट वृक्ष को जल अर्पित किया। इसके बाद वृक्ष पर

चंदन, रोली, अक्षत और फूल चढ़ाए। महिलाओं ने कच्चे सूत के

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। वट सावित्री की पूजा शनिवार को पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ जिले में संपन्न हुआ। सुहागिन महिलाओं ने 16 श्रृंगार व नये वस्त्र धारण कर समीप के वट वृक्ष की पूजा अर्चना की और फेरे लेकर अपने पति के दीर्घायु होने और अमर सुहाग की कामना की। कोडरमा थाना परिसर स्थित वट वृक्ष के पास विधायक और प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव समेत सैकड़ों महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर मंगलकामना की। मौके पर विधायक डॉ यादव ने राज्य की सभी सुहागिन महिलाओं को वट सावित्री पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पूजा पति-पत्नी के बीच अमर प्रेम, त्याग

सुहागिन महिलाओं ने सूत्र बांधकर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की



नवप्रदेश/रांची। वट सावित्री व्रत के अवसर पर शनिवार को सिंह मोड़ कल्याणपुर काली मंदिर के समिप सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के लिए वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने विधि-विधान से व्रत रखकर वट वृक्ष की परिक्रमा की और रक्षा सूत्र बांधकर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत सावित्री और सत्यवान की कथा से जुड़ा है। इस दौरान मंदिरों और वट वृक्षों के पास सुबह से ही महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा और सोलह श्रृंगार के साथ पूजा कर परिवार की सुख-शांति की कामना की।



और समर्पण का प्रतीक है। दाम्पत्य जीवन में दोनों का महत्व अनमोल है। उन्होंने कहा कि पति-पत्नी आपसी समझ और समन्वय से घर गृहस्थी चलाते हुए बच्चों की परवरिश करते हैं। यह साथ जिंदगी भर का होता है।

पूजा के दौरान उनके साथ पति विजय यादव के अलावा सरस्वती देवी, मधु कुमारी, शीला प्रसाद, प्रियंका कुमारी, वीणा देवी, संजीव समीर, नरेंद्र सिंह, दीपनारायण सिंह, सुधीर पांडेय, विश्वनाथ पांडेय, प्रवीण पांडेय,

मिटको कॉलोनी हत्याकांड का खुलासा अवैध संबंध और बदले की भावना में नेहा राज की गला रेतकर हत्या, दंपति गिरफ्तार

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। मिटको कॉलोनी भंडरवा में महिला नेहा राज की निर्मम हत्या मामले को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। 14 मई को घर में घुसकर गला रेतकर की गई इस जघन्य हत्या के मामले में पुलिस ने रोहित राणा और उसकी पत्नी देवन्ती राणा को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी सलैया, थाना एवं जिला कोडरमा के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि कोडरमा थाना कांड संख्या 92 /26 दर्ज कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह एवं पुलिस उपाधीक्षक रतीभान सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले का



सफल उद्देदन करते हुए दोनों आरोपियों को दबोचा। पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। जांच में सामने आया कि मृतका नेहा राज के पति शंभु राणा का देवन्ती राणा के साथ अवैध संबंध था। इसी विवाद और बदले की भावना में हत्या की साजिश रची गई। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू, मोटरसाइकिल (जेएच 02 एक्स

9994), घटना के समय पहने कपड़े और दो मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि शंभु राणा के खिलाफ भी अवैध संबंध मामले में अलग से कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी अभियान में कोडरमा, तिलैया, चंदवारा एवं महिला थाना की पुलिस टीम के साथ सशस्त्र बल और पैथर जवान शामिल थे।

एक नजर

दनुआ घाटी में सड़क हादसा, बाइक सवार तीन युवक घायल, रेफर

नवप्रदेश/चौपारण। थाना क्षेत्र अंतर्गत खतरनाक दनुआ घाटी में शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में स्प्लेंडर बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय भाजपा युवा नेता कृष्णा पासवान तुरंत मौके पर पहुंचे और मानवता का परिचय देते हुए एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण भिजवाया। घायलों की पहचान कुंदन कुमार 22 पिता मुकेश रवानी, सोनू कुमार 20 पिता रोहन यादव तथा सचिन कुमार 23 पिता राजेश प्रसाद के रूप में हुई है। सभी युवक बिहार के बाराचूं थाना क्षेत्र के कुमावत एवं डोभी के हैं। घटना की जानकारी मिलते ही चोरदाहा पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य केंद्र में घायलों का इलाज जैसे जैसे कर गंभीरावस्था को देखते हुए रेफर कर दिया। घायलों ने चीखते चिल्लाते हुए एम्बुलेंस की मांग किया तो अस्पताल प्रबंधन ने चालक नहीं रहने का हवाला देते हुए टाल मटोल करना दिखा। इसका चश्मदीद गवाह राजेश मेहता है। उन्होंने कहा कि विधायक मनोज कुमार यादव के द्वारा दिया गया नया एम्बुलेंस चालक के अभाव में धूल फांक रहा है।

पेट्रोल-डीजल, दूध एवं सीएनजी गैस के मुल्य वृद्धि के विरोध में कांग्रेस ने किया केन्द्र सरकार का पुतला दहन

केन्द्र सरकार के सभी वादे अबतक खोखली साबित हुई : राजीव रंजन प्रसाद

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में केन्द्र सरकार के जन विरोधी नीतियों , पेट्रोल-डीजल दूध एवं सीएनजी गैस के मुल्यों में वृद्धि एवं फिल्लत के विरोध में जिला कांग्रेस कार्यालय से चलकर गुरुगोविंद सिंह रोड होते हुए मेन रोड स्थित झंडा चौक पर केन्द्र सरकार का पुतला दहन किया गया। विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने किया । इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सह जिला के प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा महंगाई अपने चरम पर है । इस महंगाई में आम जनता की कमर टूट गई है। केन्द्र सरकार ने चुनाव के पूर्व में कहा था कि महंगाई कम करेंगे लेकिन केन्द्र सरकार के सभी वादे अबतक खोखली साबित हुई है। आम जनता इसका जवाब आगामी लोकसभा के चुनाव में देकर केन्द्र में भाजपा की सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का काम करेंगी। मौक पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव जय शंकर पाठक प्रदेश कॉंईनेटर बिनोद कुशवाहा प्रदेश सचिव रणु कुशवाहा, मनीषा ठोषो, डॉ.प्रकाश कुमार जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेसजन प्रदेश प्रतिनिधिमण जिला के पदाधिकारीगण प्रफेड्र के अध्यक्षगण प्रखंड अध्यक्षगण, मंडल अध्यक्षगण के अतिरिक्त सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्तांगण उपस्थित थे।

श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री पूजा, सुहागिन महिलाओं ने मांगी पति की लंबी उम्र

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड सहित आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को वट सावित्री पूजा श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांव-गांव के

बरगद पेड़ों के नीचे सुहागिन महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। महिलाओं ने विधि-विधान के साथ वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। पूजा को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा गया। नई-नई साड़ियों और पारंपरिक श्रृंगार में सजी महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर सावित्री-सत्यवान की कथा सुनी। इसके बाद वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर सुखी वैवाहिक जीवन की प्रार्थना की। पूजा स्थलों पर पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री पूजा हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने तप, श्रद्धा और संकल्प के बल पर अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लाए थे। उसी परंपरा को निभाते हुए सुहागिन महिलाएं यह व्रत करती हैं। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा की तथा एक-दूसरे को व्रत की शुभकामनाएं दीं। पूजा को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल देखी गई। फल, फूल, पूजा सामग्री और मिठाइयों की दुकानों पर दिनभर भीड़ लगी रही। पूरे प्रखंड में श्रद्धा और आस्था का माहौल देखने को मिला।

चौपारण में फलाहारी बाबा के बैकुंठ उत्सव पर दो दिवसीय विशेष पूजा

22 मई को महाभंडारा, मंदिर सौंदर्यीकरण योजना का सांसद विधायक करेंगे उदघाटन

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के चौपारण पंचायत स्थित हनुमत सेवा संस्थान के फलाहारी बाबा के आश्रम सह श्री हनुमंत सेवा संस्थान परिसर में चौथे बैकुंठ उत्सव के अवसर पर दो दिवसीय विशेष धार्मिक आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत 21 मई 2026, गुरुवार को अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन होगा, जबकि 22 मई 2026, शुक्रवार को हवन, पूणाहुति एवं महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। महाभंडारा दोपहर 12 बजे से श्रद्धालुओं के आगमन तक चलेगा। आयोजकों ने बताया कि बाबा की बैकुंठ उत्सव पर विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। साथ ही मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण योजना एवं तोरण द्वार का उद्घाटन सांसद मनीष जायसवाल तथा बरही विधायक सह लोक लेखा समिति के सभापति मनोज कुमार यादव द्वारा किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष आनंद चंद्रवंशी एवं सचिव कुमार राहुल ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक आयोजन में बाबा के भक्तों की बड़ी संख्या उमड़ने की संभावना है।जानकारी हो कि फलाहारी उर्फ आलू बाबा की तपोभूमि मां भद्रकाली मंदिर तथा बिगहा गढ़काली मंदिर रही है। बाबा भगवान राम के परम भक्त थे। अपने अनन्य भक्त आनंद चंद्रवंशी एवं अन्य श्रद्धालुओं के सहयोग से उन्होंने हनुमान मंदिर की स्थापना कर हर वर्ष महायज्ञ आयोजन की परंपरा शुरू की, जो लगातार जारी है। बताया जाता है कि फलाहारी बाबा ने बिगहा में ही समाधि ली थी। उनके समाधि स्थल सह कुटिया में उनकी प्रतिमा स्थापित है, जहां प्रत्येक वर्ष उनके भक्त बैकुंठ उत्सव मनाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। आयोजन की तैयारी में आनंद चंद्रवंशी, कुमार राहुल, मनीष सिन्हा, संजय सिंह, रामचंद्र सिंह,बलराम यादव, नीरज चंद्रवंशी, सिवेश सिंह, अरुण कुमार, बिनोद सिंह, सियाराम केशरी, प्रकाश साहु, सितन साहु, प्रेम चंद्रवंशी, संजय चंद्रवंशी, छोटू चंद्रवंशी, पवन सिंह ,सुभाष गुप्ता ,शिवनंदन केशरी ,दीपक केशरी ,पंकज कुमार , संतोष अग्रवाल, भोला प्रजापति, रंजीत सिंह ,नरेश प्रजापति, पंकज सिंह, कामदेव प्रजापति, राहुल केसरी,अंकित केसरी, प्रवीण केसरी, अशोक सिंह, सुबोध सिंह,टोनी सिंह, मिथुन शर्मा वीरेंद्र सिंह, बालमुकुंद पांडे, पांडेबारा रामलखन सिंह ,सुरेश पाण्डेय ,जय चंद्रवंशी, बरही, शिवगुजन सिंह विक्रम चंद्रवंशी समेत अन्य आयोजन की सफलता में जुटे हैं।

पति की दीघार्यु एवं स्वस्थ सुख समृद्धि को लेकर महिलाओं ने की वट सावित्री व्रत की पूजा अर्चना



अमित कुमार

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। सूर्यपुरा एवं दावथ प्रखंड मुख्यालय सहित नगर पंचायत कोआथ क्षेत्र में सुहागिन महिलाओं ने शनिवार को पति की दीघार्यु एवं स्वस्थ तथा सुख समृद्धि को लेकर वट सावित्री व्रत की पूजा अर्चना किया। इस अवसर पर अहले सुबह से क्षेत्र सूर्यपुरा जोड़ा मंदिर, दावथ के पंच मंदिर,खरोज, कल्याणी, नारायणपुर, अलीगंज, श्रीकांतपुर, के मंदिरों सहित अन्य गांव स्थित वट वृक्ष के नीचे पहुंचकर वट सावित्री व्रत रखने वाली सुहागिन

महिलाओं ने पारंपरिक हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की . तथा अपने अपने पति की लंबी आयु अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख समृद्धि के लिए महिलाओं ने निजंला उपवास रखा .और बरगद यानी वट वृक्ष की विधिवत पूजा अर्चना के साथ वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत लपेटा.वहीं आचार्य के पुराणों में वर्णित सावित्री, सत्यवान की कथा श्रवण किया .और यथा योग्य व्रत पुन्य किया.उसके बाद घर पहुंच कर परंपरा के अनुसार

सुहागिनों ने श्रद्धा-भक्ति से किया वट सावित्री व्रत पूजन

अरवली कुमार पिटू

नवप्रदेश/बड़हरा (भोजपुर)। शनिवार को बड़हरा प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में श्रद्धा, आस्था और भक्ति के वातावरण के बीच सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत एवं पूजन विधि-विधान से संपन्न किया। पति की दीघार्यु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य को कामना को लेकर व्रती महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिवार के मंगल और खुशहाली की प्रार्थना की। वट वृक्षों के समीप सुबह से ही भक्तिमय माहौल और मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। बड़हरा प्रखंड के मनीछपरा, केशोपुर,



बखोरापुर, बबुरा, एकौना सहित दर्जनों गांवों में सुहागिन महिलाओं ने पूरे श्रद्धाभाव से वट सावित्री व्रत का पालन किया। सूर्योदय के साथ ही व्रती महिलाएं वट वृक्ष के नीचे जुटने लगीं। महिलाओं ने अक्षत, पुष्प, कुमकुम, रोली एवं पूजन सामग्री से वट वृक्ष का पूजन किया।

हलवा-पुड़ी, गुड़, भींगा चना, आटे से बनी मिठाई, पंचफल, पान का पत्ता, धूप, ची का दीपक और जल अर्पित कर वट सावित्री माता का स्मरण किया।

सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार के साथ वट वृक्ष की आराधना करते हुए कच्चे सूत के धागे को वृक्ष के तने पर लपेटकर श्रद्धानुसार 7, 21,

51 अथवा 108 बार परिक्रमा की। पुरोहितों द्वारा वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण कराया गया, जिसमें माता सावित्री द्वारा अपने सत्य, तप और अटूट संकल्प से यमराज के चंगुल से सत्यवान के प्राण वापस लाने की प्रेरणादायी कथा सुनाई गई। व्रत कथा के माध्यम से सत्य, निष्ठा और वचन पालन के महत्व को भी रेखांकित किया गया। दिनभर निर्जला अथवा फलाहार व्रत रखने के बाद महिलाओं ने संध्या बेला में मीठा भोजन ग्रहण कर व्रत का पारण किया। पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

सुहागिन महिलाओं की काफी भीड़ दिन भर लगी रही।

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय पटुआहा में प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम आयोजित

1980 से 2026 तक भाजपा के सभी जिलाध्यक्षों का तस्वीर लगा कर किया नमन

नवप्रदेश/सहरसा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत जिला कार्यालय पटुआहा में जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह के संचालन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम मे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। उद्घाटन संजन में पूर्व विधायक डॉ आलोक रंजन,प्रदेश महामंत्री लाजवंती झा,प्रदेश मंत्री क्षेत्रीय

ही 1980 से 2026 तक भाजपा के सभी जिलाध्यक्षों का तस्वीर लगा कर याद किया एवं भारतीय जन संघ के तृतीय प्रदेश अध्यक्ष स्व श्रीकान्त मिश्र जो राज्य सभा से सांसद 1970 में बने थे। तत्पश्चात 1980 के बाद भाजपा में कमल खिलाने वाले विधायक स्व संजीव झा को याद किया। मंत्री राम चन्द्र प्रसाद ने भाजपा कार्यपद्धति पर चर्चा की।वही भाजपा प्रदेश मंत्री मनोज कुमार सिंह ने देश के समक्ष चुनौती सामाजिक एवं राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा की विजय शंकर चौधरी उर्फ खोखा जी ने भाजपा के इतिहास विकास पर विस्तृत चर्चा की।



प्रभारी मनोज कुमार सिंह, मेयर बैन प्रिया, जिला प्रभारी सुनील कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह,नीरज कुमार गुप्ता, मदन प्रसाद चौधरी ने संबोधित किया। वहीं पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने प्रशिक्षण वर्ग में संगठन सरकार समन्वय पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सरकार के साथ दल के कार्यकर्ता का समन्वय आवश्यक है।कभी कभी कार्यकर्ता गलतफहमी के कारण

हर प्रखंड में मॉडल स्कूल, 11 नये टाउनशिप, सम्राट सरकार के साथ फैसला

नवप्रदेश/पटना। बिहार में एनडीए की नई सरकार का गठन हुए जहां एक महीना हो गया। वहीं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 15 अप्रैल को लोक भवन में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। और अपने 1 माह के कार्यकाल में ही उन्होंने सात बड़े फैसले लिए हैं। जिसमें 10 जिलों में 11 सेटेलाईट टाउनशिप बनाना। इस टाउनशिप में पूरे प्लान के साथ कॉलोनी बरसाना। जहां एक तरफ बाजार तो दूसरी तरफ आवास होगा। कालोनी में चौड़ी सड़क का निर्माण। एवं सड़कों के किनारे और पार्कों में बड़ी संख्या में पेड़ लगाना।

यह मुख्यमंत्री को ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल है। जिसमें सासाराम को जोड़ने का प्रस्तावित है। इससे शहरों में दबाव की कमी आएगी तथा लोगों को सुविधायुक्त जीने का मौका मिलेगा। जहां पटना के पाटलिपुत्र, सोनपुर के हरहरनाथपुर, गया, मगध, दरभंगा, कोसी, पूर्णिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, भागलपुर, मुजफ्फरपुर आदि जिले में यह टाउनशिप का निर्माण होगा। वहीं शिक्षा कि



बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सभी जिलों के प्रखंडों के चयनित एक उच्च माध्यमिक विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने की भी योजना की मंजूरी सरकार द्वारा दी गई है। इसके लिए सरकार ने 800 करोड़ रुपए की स्वीकृति विधि है ताकि इस योजना को धरातल पर उतर जा सके साथ ही साथ डिग्री कॉलेज रहित 211 प्रखंडों में नए डिग्री कॉलेज की स्थापना करने के लिए 104 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति भी दिया गया है। लोगों कि समस्याओं को तुरंत निष्पादन के लिए सहयोग पोर्टल हेल्पलाइन 1100 का भी स्थापना किया गया है साथ ही साथ पंचायत स्तर पर सहयोग से लगाने का भी सरकार ने निर्णय लिया है। हर महीने को पहले और तीसरी मंगलवार को यह शिविर लगेगी जिसमें प्रखंड से लेकर थाना स्तर तक कि समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

आरएलएस पब्लिक स्कूल के शत-प्रतिशत बच्चे इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल



नवप्रदेश/पीरों। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट2026 की परीक्षा में आरएलएस पब्लिक स्कूल बलुआही टोला के शत-प्रतिशत बच्चों ने बेहतर अंकों के साथ सफलता हासिल की है। इससे विद्यालय नरिवार में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय के निदेशक दिनेश कुमार सिंह के अनुसार इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के विज्ञान संकाय में अनामिका सिंह को 88.6 प्रतिशत, आयुष कुमार को 82.4 प्रतिशत, आकृति कुमारी को 79.4 प्रतिशत, अद्वया आदिति को 78.8 प्रतिशत, आदित्य कुमार को 76.8 प्रतिशत, शिप्रा कुमारी को 76.8 प्रतिशत, आलोक कुमार सिंह को 76.6 प्रतिशत, अमन राज को 75.8 प्रतिशत, आयुषी राय को 74.4 प्रतिशत,

अनामिका कुमारी को 72.8 प्रतिशत अंक हासिल हुए हैं। यह छात्र-छात्राओं के साथ-साथ विद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राएं हर साल सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। इससे विद्यालय की प्रतिष्ठा व पहचान बढ़ी है। उन्होंने कहा कि सीबीएसई की मैट्रिक परीक्षा में भी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया था। इस सफलता में छात्र-छात्राओं की मेहनत, प्रतिभा के साथ विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन का अहम योगदान रहा है। निदेशक सहित विद्यालय के शिक्षकों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मातृत्व वंदन योजना के तहत जिले के प्रखंडों का लक्ष्य निर्धारित, लाभुकों को योजना का मिलेगा लाभ

नवप्रदेश/बेतिया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत जिले के प्रखंडों का लक्ष्य का निर्धारण कर दिया गया है।आईसीडीएस कार्यालय की ओर से जिले में 3228 लाभुकों को योजना का लाभ दिया जाना है, विभागीय लक्ष्य मिलने के बाद जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र मेंआवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।इस साल योजना में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के उद्देश्य से परियोजना महावार लक्ष्य का निर्धारण करते हुए डीपीओ कार्यालय के द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है,ताकि ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को परियोजना का लाभ मिल सके। जिला मिशन समन्वयक,अर्जुन कुमार ने संवाददाता को बताया कि पीएमबीबीवाई के शत प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति को लेकर सभी सीडीपीओ, एलएस कोआवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस योजना के तहत प्रति महीना में 8232 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं,इस कारण में 998 प्रविष्ठियां पोर्टल पर दर्ज की जा चुकी हैं,लगातार सभी परियोजनाओं से मिले आवेदनों की समीक्षा कर पोर्टल परअपलोड किया जा रहा है,उन्होंनेआगे बताया कि बगहा में 762,लोरिया में 752,नकटियागंज में 718, बगहा एम में 670।आवेदन मिले हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना भारत सरकार की एक प्रमुख मातृत्व लाभ योजना है,जिसके तहत पहले बच्चे के लिए १5000, दूसरे बच्चे के रूप में बेटी के जन्म पर 6000 कीआर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण के लिएआर्थिक मदद के तौर पर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है,यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभुकों के आधार लिंक बैंक खाते में भेजी जाती है।गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पंजीकरण कराना पड़ता है। इस तरह प्रखंडों में मासिक उपलब्धि केआधार पर गणना कर-के लाभुकों को भुगतान किया जाएगा।।

एक नजर

चरपोखरी अंचल कार्यालय मे जनता दरबार मे क ई मामले की हुई सुनवाई

नवप्रदेश/चरपोखरी(भोजपुर)। चरपोखरी अंचल कार्यालय परिसर में शनिवार को साप्ताहिक बैठक के तहत जनता दरबार का आयोजन किया गया।आयोजित जनता दरबार में भूमि विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। प्राप्त मामलों में से लिखित रूप से एक मामला आया। जिसको मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। वहीं मौखिक रूप से भी कई मामले आये ।जिसमें सुनवाई की गई।इस दौरान चंदन चौधरी ने बताया कि आमजन बिना किसी संकोच के अपनी समस्याओं को जनता दरबार में लेकर आए। सरकार की मंशा है कि लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान किया जाए। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार जन समस्याओं के निवारण को लेकर लगातार गंभीर है। इसी उद्देश्य से जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित जनतादरबार मे सीओ चंदन चौधरी,थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह,लिपिक दीपक कुमार सहित कई अन्य कर्मी एवं स्थानीय लोग उपस्थित हुए।



अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत

नवप्रदेश/दावथ। दावथ थाना क्षेत्र के पन चक्की गांव के समीप डुमराव लाइन नहर पथ पर शुक्रवार की रात अज्ञात वाहन की टक्कर में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. दावथ थाना क्षेत्र अंतर्गत उसरी पंचायत के मुखिया संजय सिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के अहीर चवरी गांव निवासी 29 वर्षीय जितेंद्र कुमार शुक्रवार रात्रि लगभग 9 बजे अपनी बाइक से कोआथ बाजार से घर लौट रहे थे. की डुमराव लाइन नहर के बिक्रमगंज- परमछंद पथ पर पन चक्की गांव के सामने विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही अज्ञात वाहन ने मृतक जितेंद्र सिंह के बाइक में टक्कर मारकर भाग निकला. जिसमें बाइक सवार जितेंद्र कुमार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जखमी हो गए. घटना की सूचना पाकर परिजन और ग्रामीण उन्हें इलाज के लिए दावथ के सीएचसी में लाया. वहीं जखमी के गांव में घटना की सूचना के बाद अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया. जहां जांच के क्रम में चिकित्सक ने जितेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया।

शादी से 2 दिन पहले 18 वर्षीय युवती लापता

नवप्रदेश/बेतिया। युवतियों का शादी से पहले घर छोड़कर भागना,रहस्यमय ढंग से गायब होना से समाज पर बुराअसर पड़ रहा है,इस कदम को देखते हुए अन्य लड़कियां भी इस क्रिया को करने पर मजबूर हो रही हैं।इसी क्रम में संवाददाता को पता चला है कि बाल्मीकि नगर थाना क्षेत्र के हवाई अड्डा वार्ड लोक संख्या एक से एक 18 वर्षीय युद्ध की अचानक को रहस्य में ढंग से लापता हो जाने की का मामला सामनेआया है। घटना के बाद से परिजनों में दहशत का माहौल है। परियों ने संवाददाता को बताया कि उनकी लड़की सिलाई के लिए घर से निकली थी मगर घर वापस लौट नहीं लहीं सकी जिसको पूरे परिवार में अफसोस भी संभावित स्थानों पर खोजा गया,मगर उसका कोईआता पता नहीं चल सका,मजबूर होकर मां ने थाने मेंआवेदन दिया है। युवती की शादी 14 मई को तय थी,लेकिन शादी के ठीक दो दिन पहले रहस्यमय में ढंग से गायब हो गई। मान्य संवाददाता को बताया कि मुझे आश्चंक है कि मेरी बेटी को किसी ने बहलाफुसला कर शादी की नीयत से लापता कर दिया है।घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने कई तरह की जांचें होने लगी। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है,पूरा क्षेत्र में गम का माहौल छा गया है। पुलिस नेआवेदन केआधार पर लड़की की तलाशी शुरू कर दी है।

ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत, मौके से खोखा व पिलेट बरामद

नवप्रदेश/बेतिया। बेतिया के मनुआपुल थाना क्षेत्र के गुरुवलिया गांव में शनिवार की सुबह करीब 5:30 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बाइक सवार तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर कल में दहशत फैला दी। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल कायम हो गया। पीड़ित लव कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना के समय वह घर में सो रहे थे। अचानक गोली चलने की आवाज सुनकर बाहर निकले तो आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक लगातार फायरिंग करते हुए फरार हो गए। लव कुमार मिश्रा ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है और वह हमलावरों को पहचानते भी नहीं हैं। उन्हें यह भी जानकारी नहीं है कि बदमाश कहां से आए थे। घटना की सूचना मिलते ही मनुआपूल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मौके से पुलिस ने खोखा और पिलेट बरामद किया है। इसकी पुष्टि करते हुए यातायात डीएसपी अतनु दत्ता ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा बदमाशों की पहचान में जुटी हुई है।

डीआईजी के रडार पर एक और एसडीपीओ

नवप्रदेश/मोतिहारी। चंपारण परिक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय अपने मित्राज के लिए काफी चर्चित हैं।इनका खोफ पुलिस वालोंके सिर पर चढ़ कर बोलता है जहां मोतिहारी में दो एसपी पार्क सुजन होने पर अब ग्रामीण एसपी का पद स्वयं डीआईजी महोदय को मिला है। ऐसे में लोगों को न्याय की उम्मीद जग गई है। तथा अपराधियों कि बेवैनी बढ़ गई है। वहीं सिकरहना के सीडीपीओ पर डी आई जी का कहर एक मामले में गिरना तय माना जा रहा है। पुलिस विभाग में विभाग सुचारु लाने के लिए ये बराबर कोई न कोई कदम उठाते रहते हैं। थाना प्रभारी से लेकर छिेपी तक घर घर कोपंते रहते हैं।इन होने अन्ही तक बिस थाना प्रभारीपर पर अब तक कडी करवाई है। इतना ही इनके जांच प्रतिवेदन पर रक्सौल के एसडीओ धीरेंद्र कुमार को विभाग ने निलंबित कर दिया। तथा चौतरवा थाना प्रभारी को र्स्थित के मामले में निलंबित करते हुए।आईओ श्रेवता और एक सिपाही पर प्राथमिक भी दर्ज कराई है।अब इनके नाम से पुलिस वाले कोपने लगे हैं। इसी वीर सिकरहना के पुलिस उपाधीक्षक उदय शंकर पर क ई आरोप लगे हैं।जिसमे पशु तस्करी, पक्षपात करना, ढाका के पचकडी में निकले कलश यात्रा के दौरान माकूल तैयारी नहीं करना और कलश यात्रा के दौरान बिनाइ हालत पर लापरवाही करना, उर्दरक तस्करी मामले में छापामारी के दौरान लापरवाही के साथ ऐसा ना, सुपरविजन में पैसा लेने आदि। कई मामलों में इनकी सलियता का उजागर होना और सर्राप की जांच रक्यों डीआईजी महोदय ने किया और सारे मामले जाय में सही पाया गया। डीआईजी ने विभाग को रिपोर्ट करने से पहले नोटिस के माध्यम से सिकरहना एसडिपिओ को अपना पक्ष रखने के लिए दो बार बुलाया था। परन्तु एसडिपिओ ने अपना पक्ष नहीं रखा। अब एसडिपिओ उदय शंकर के खिलाफ पत्रा प्रतिवेदन पुलिस मुख्यालय को भेज दिया है। अब माना जा रहा है कि किस तरह डीआईजी के रिपोर्ट पर रक्सौल के तत्कालीन एसडिपिओ धीरेंद्र कुमार निलंबित हुए कही ऐसा ही हाल उदय शंकर का ना हो जाय।

कर्तव्यहीनता और पीडित से दुर्व्यवहार पड़ा भारी,चौतरावा थानाध्यक्ष समेत महिला दरोगा निलंबित

नवप्रदेश/चौतरावा। बागहा पुलिस जिला के प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी द्वारा चौतरावा थानाध्यक्ष शुभम कुमार तथा उनी थाना में पदस्थापित महिला दरोगा स्वाति कुमारी को कर्तव्यहीनता तथा पीडित के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। साथ ही एक होमगार्ड सिपाही के खिलाफ भी विभागीय कार्यवाई के लिए उच्चाधिकारियों को पत्राचार किया गया है।गौतमलब हो बगहा एसपी निर्मला कुमारी द्वारा यह कार्यवाई बेतिया डीआईजी हरकिशोर राय के आदेश पर किया गया है।इस संदर्भ में शनिवार को प्रभारी एसपी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने व कर्तव्यहीनता के आरोप में थानाध्यक्ष शुभम कुमार तथा एसआई स्वाति कुमारी को निलंबित किया गया है।मिली जानकारी के मुताबिक बीते माह चौतरावा थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसंधान के दौरान आरोपी के स्वजनों के साथ मारपीट करने व धन उगाही करने की शिकायत पीडित ने बगहा एसपी व बेतिया डीआईजी से किया था। डीआईजी हरकिशोर राय द्वारा मामले की जांच प्रशिक्ष डीएसपी से पूरे प्रकरण की जांच कराई।जांच में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई का आदेश जारी किया गया।जांचोपरांत मिले रिपोर्ट के आधार पर डीआईजी ने शुभम कुमार व स्वाति कुमारी को निलंबित करने का आदेश निर्गत किया।जिसके आलोक में बगहा प्रभारी पुलिस अधीक्षक निर्मला कुमारी ने थानाध्यक्ष शुभम कुमार व दरोगा स्वाति कुमारी को निलंबित कर दिया।बताया जा रहा है कि थानाध्यक्ष शुभम कुमार मजुरि सवा दो माह पूर्व ही चौतरावा थाना में पदस्थापित किए गए थे,लेकिन कार्य में लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोपों के कारण उन्हें इतनी कम अवधि में ही निलंबन का सामना करना पड़ा।

नवप्रदेश/डेहरी आन सोन। स्थानीय पुलिस केंद्र के सभागार में शनिवार को लॉ फाउंडेशन के संयोजन में जिले के बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों के लिए एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय बाल अधिकार, पोक्सो अधिनियम एवं किशोर न्याय अधिनियम था। कार्यशाला का उद्घाटन जिला नंबर बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाए। इससे पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों को तत्काल सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण पुलिस की बांयभिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों में कानून



का नाम, पदनाम और मोबाइल नंबर बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाए। इससे पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों को तत्काल सहायता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण पुलिस की बांयभिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों को बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों में कानून

सम्मत, मानवीय एवं बाल हितैषी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रशिक्षित करना था। थानों के बाल कल्याण पदाधिकारियों ने पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम की बांयभिकों पर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लिया। प्रख्यात बाल अधिकार विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अनंत कुमार अस्थाना ने जिले में

संचालित बाल न्याय तंत्र की विभिन्न इकाइयों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नाबालिग पीड़ितों के बयान महिला अधिकारी द्वारा ही दर्ज किए जाएं, बयान के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग हो और बच्चे की पहचान गोपनीय रखी जाए। बाल अधिकार विशेषज्ञ सुनील झा ने कहा कि बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड और विशेष किशोर पुलिस इकाई के बीच बेहतर समन्वय पर भी बल दिया। डा.प्रवीण कुमार ने कहा कि पुलिस बच्चों के लिए न्याय का पहला दरवाजा है। इसलिए जांच और व्यवहार दोनों में संवेदनशीलता जरूरी है। केस स्टडी के माध्यम से व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर असम पुलिस और बीएसएफ ने 14 घुसपैठियों को रोका

गुवाहाटी। असम में नई सरकार के गठन के बाद बांग्लादेश से लगी हुई अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया गया है। असम पुलिस तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने संयुक्त अभियान चलाकर 14 कथित घुसपैठियों को भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि सीमा पर तैनात जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं और घुसपैठ की हर कोशिश को विफल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि असम पुलिस और बीएसएफ के सतर्क जवानों ने 14 घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें सीमा पर ही रोक दिया।

एनसीबी ने 182 करोड़ रुपये का कैप्टागॉन किया जब्त, सीरियाई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वाफक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने ऑपरेशन रेजपिल के तहत एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 227.7 किलोग्राम कैप्टागॉन की गोलियां और चूर्ण जब्त किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 182 करोड़ रुपये बताई गई है। मामले में सीरिया के एक नागरिक को गिरफ्तार किया गया है, जो वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से भारत में रह रहा था। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई के लिए एनसीबी की टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऑपरेशन रेजपिल के माध्यम से भारत में पहली बार कैप्टागॉन नामक मादक पदार्थ की जब्त की गई है। मोदी सरकार नशामुक्त भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध है और भारत को मादक पदार्थों के पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।

आईपीएस अरुण देव गौतम बने छत्तीसगढ़ के स्थायी डीजीपी

रायपुर। 1992 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरुण देव गौतम को छत्तीसगढ़ का स्थायी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह ने आज 16 मई को इसका आदेश जारी किया। वे पिछले 17 महीनों से प्रभारी डीजीपी के रूप में कार्य कर रहे थे। अरुण देव गौतम को 2010 में भारतीय पुलिस पदक, 2018 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और 2002 में कोसोवा में सेवा देने पर संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। छत्तीसगढ़ में वे कोरिया, रायगढ़, जशपुर, राजनांदगांव, सरगुजा और बिलासपुर जिलों के एसपी रह चुके हैं। वर्ष 2009 के नक्सली हमले के बाद उन्हें राजनांदगांव का एसपी बनाया गया था। वहीं 2013 के झीम घाटी नक्सली हमला के बाद उन्हें बस्तर आईजी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी कार्यशैली और नेतृत्व को काफी सराहा गया।

नेपाल के मिथिलांचल में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री पर्व

काठमांडू। नेपाल के मिथिलांचल और तराई-मधेश क्षेत्र में शनिवार को वट सावित्री पर्व श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि और संतान प्राप्ति की कामना के साथ व्रत रखकर संपूर्ण बिधि-विधान से पूजा-अर्चना की। जेट महीने की अमावस्या तिथि पर मनाए जाने वाले इस महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व के दौरान सुबह से ही विभिन्न गांवों और शहरों में बरगद के पेड़ों के नीचे पूजा करने वाली महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। महिलाएं पारंपरिक परिधानों और श्रृंगार में पूजा स्थलों पर पहुंचीं और पूरे बिधि-विधान से व्रत अनुष्ठान संपन्न किया।

नेपाल में 100 रुपये से अधिक के सामान पर

कस्टम इयूटी पर रोक

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा नाकों पर दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर लगाए जा रहे कस्टम शुल्क पर नेपाल उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार शुल्क लगाने संबंधी वित्त मंत्रालय के निर्णय पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश जारी किया। भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान लाने पर भंसार शुल्क लगाने की व्यवस्था को व्यापार संधि के प्रावधानों के खिलाफ बताते हुए अधिवक्ता अमिर्तेश पण्डित सहित अन्य लोगों ने रिट याचिका दायर की थी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार कर अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। इसके बाद तराई-मधेश क्षेत्र के सीमा नाकों पर सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। 27 अप्रैल को दायर रिट याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अंतरिम आदेश पर बहस के लिए बुलाया था। सरकार की ओर से दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को अदालत ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय और कस्टम विभाग के नाम अंतरिम आदेश जारी करते हुए तत्काल इस व्यवस्था पर रोक लगाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के तुरंत बाद सीमा नाकों पर सख्ती शुरू की गई थी। सीमा पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा सामान जब्त किए जाने के फोटो और वीडियो सार्वजनिक होने के बाद व्यापक विरोध हुआ था, लेकिन सरकार अपने निर्णय से पीछे नहीं हटी थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इराक के नए प्रधानमंत्री अली अल-जैदी को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अली फलेह काजिम अल-जैदी को इराक के प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वह अली अल-जैदी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हैं और दोनों देशों की साझा प्रगति एवं समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशांचित हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, हममें उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं, तथा हमारे दोनों राष्ट्रों की साझा प्रगति और समृद्धि के लिए मिलकर काम करने की आशा करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत इराक के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण और ऐतिहासिक संबंधों को महत्व देता है। भारत दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, ऊर्जा, व्यापार और सांस्कृतिक

सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और इराक के संबंध वर्षों से विश्वास और सहयोग पर आधारित रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि अली अल-जैदी के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिलेगी और विभिन्न

ऊर्जा संकट से दुनिया की उपलब्धियां खतरे में

भारत बनेगा वैश्विक विकास इंजन : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा संकट, लोकतंत्र, सेमीकंडक्टर और भारत की वैश्विक भूमिका पर रखे विचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हेग में वैश्विक ऊर्जा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि दुनिया ने समय रहते इस चुनौती का समाधान नहीं किया, तो पिछले कई दशकों में हासिल की गई विकास संबंधी उपलब्धियां नष्ट हो सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया की बड़ी आबादी एक बार फिर गरीबी के जाल में फंस सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की छह दिवसीय विदेश यात्रा के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे हैं। यहाँ भारतीय समुदाय को संबोधित

करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया लचीली और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाय चैन) की आवश्यकता महसूस कर रही है। भारत और नीदरलैंड मिलकर पारदर्शी एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के बाद नीदरलैंड यूरोप का प्रमुख प्रवेश द्वार बन सकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि मुख्य भूमि यूरोप में भारतीय मूल के लोगों का सबसे बड़ा समुदाय नीदरलैंड में निवास करता है।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख करते हुए कहा, हूजिस प्रकार भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार नीदरलैंड ट्यूलिप के लिए



प्रसिद्ध है। ट्यूलिप और कमल दोनों यह सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या मिट्टी में, सौंदर्य और शक्ति दोनों प्राप्त की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत में लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। जब आम नागरिकों को अपने सपनों की पूर्ति और विकास में भागीदारी दिखाई देती है, तब लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा और बढ़ता है। उन्होंने हाल ही में हुए विधानसभा

चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में इस बार लगभग 90 प्रतिशत तक मतदान दर्ज किया गया, जो लोकतंत्र के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने 16 मई की तारीख का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में इसी दिन लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे और दशकों बाद देश में स्थिर एवं पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी थी।

जेम ने डिजिटल खरीद के नौ साल पूरे किए, एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए समावेश को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने शनिवार को अपना 15वां स्थापना दिवस 2026' मना रहा है। अपने गठन के 9 वर्ष पूरे कर रहा जेम देश में पारदर्शिता, दक्षता और प्रौद्योगिकी-आधारित शासन के जरिए सार्वजनिक खरीद प्रणाली को मजबूत, प्रतिस्पर्धी तथा किफायती बनाने के साथ आज देश में एक प्रमुख ई-वाणिज्य मंच बन कर उभरा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जेम ने 16 मई को अपना स्थापना दिवस 2026 मनाया, जिसमें पूरे भारत में घरेलू उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद को अधिक पारदर्शी, कुशल और समावेशी बनाने में अपनी बढ़ती भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। इस समारोह का शुभारंभ 15 मई, 2026 को जेम विक्रेता मूल्यांकन कार्यशाला के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य संभावित ऑर्डर



के लिए विक्रेता मूल्यांकन प्रक्रिया और दस्तावेजीकरण आवश्यकताओं के बारे में स्पष्टता बढ़ाना था। इसके अलावा, जेम 21 मई 2026 को रजेम को समृद्ध बनानार विषय के तहत रजेम मंथनर का आयोजन करेगा, जिसका उद्देश्य जेम तंत्र को मजबूत करने पर चर्चा को प्रोत्साहित करना है। जेम 22 मई 2026 को रक्षा सेवाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक विचार-विमर्श सत्र का भी आयोजन करेगा

जिसमें रक्षा खरीद और परिचालन आवश्यकताओं के साथ तालमेल को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रक्रिया सुधार और तकनीकी उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि इस अवसर पर भारत की सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और प्रौद्योगिकी-आधारित शासन की बढ़ावा देने में जीईएम की निरंतर भूमिका को रेखांकित किया गया। यह पारदर्शिता, दक्षता और प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से भारत में सार्वजनिक खरीद के सहयोग में इसकी निरंतर भूमिका को दर्शाता है। आज इस प्लेटफॉर्म पर 1.36 लाख से अधिक सरकारी खरीदार और लगभग 25 लाख विक्रेता एवं सेवा प्रदाता मौजूद हैं, जिनमें से लगभग 72 फीसदी सक्रिय विक्रेता सूक्ष्म एवं लघु उद्यम से हैं।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से चाय निर्यात में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग

प्रयोगशाला जांच (लैब टेस्ट) अनिवार्य कर दी गई है

काठमांडू। भारत द्वारा एक मई से लागू नई स्टैंडर्ड ऑपरेंटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के बाद नेपाल में चाय उद्योग गंभीर संकट में पड़ गया है। ऐसे में व्यवसायियों ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से इस मुद्दे के समाधान की मांग की है। नई निर्देशिका के अनुसार भारत में प्रवेश करने वाली नेपाली चाय के हर ट्रक और प्रत्येक खेप की अलग-अलग प्रयोगशाला जांच (लैब टेस्ट) अनिवार्य कर दी गई है। व्यवसायियों के अनुसार नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और भारतीय चाय बोर्ड के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद कर अवरोध हटाने का अनुरोध किया है। चाय



व्यवसायियों ने अब मांग की है कि इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्तर पर सीधा हस्तक्षेप होना चाहिए। उनका कहना है कि पहले भी ऐसे मामलों में तत्कालीन प्रधानमंत्रियों ने सीधे भारतीय समकक्ष से बात कर समस्या का समाधान कराया था, इसलिए इस बार भी उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद आवश्यक है। व्यवसायियों का कहना है कि नेपाल की प्रमुख निर्यात योग्य कृषि उच्च के बाजार को बचाने के लिए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तत्काल ठोस और प्रत्यक्ष पहल

करनी चाहिए। नेपाल चाय उत्पादक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कड़े नियम के कारण पिछले आधे महीने से निर्यात लगभग बंद है। उन्होंने कहा कि यदि चाय 15 दिनों तक सीमा पर रकी रहती है, तो उसकी गुणवत्ता खराब होने का खतरा रहता है। साथ ही यदि चाय लैब टेस्ट में फेल हो जाए, तो उसे नष्ट करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। मैनाली ने कहा कि रिपोर्ट आने से पहले चाय बेच नहीं सकते। अगर लैब टेस्ट में चाय फेल हो गई तो उसे नेपाल वापस लाने की भी अनुमति नहीं है।

अच्छी बारिश के कारण अगले एक सप्ताह में उत्पादन तेजी से बढ़ेगा। यदि तब तक निर्यात नहीं खुला, तो उद्योगियों और किसानों को भंडारण की कमी के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी तरह नेपाल टी एसोसिएसन के अध्यक्ष कमल मैनाली ने कहा कि भारत के नए नियमों से व्यापारियों का जोखिम अत्यधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि चाय 15 दिनों तक सीमा पर रकी रहती है, तो उसकी गुणवत्ता खराब होने का खतरा रहता है। साथ ही यदि चाय लैब टेस्ट में फेल हो जाए, तो उसे नष्ट करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। मैनाली ने कहा कि रिपोर्ट आने से पहले चाय बेच नहीं सकते। अगर लैब टेस्ट में चाय फेल हो गई तो उसे नेपाल वापस लाने की भी अनुमति नहीं है।

अब पश्चिम बंगाल में भी शुरू होगा पीएमश्री माॅडल स्कूल प्रोजेक्ट



कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लंबे इंतजार के बाद अब केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम श्री स्कूल स्कीम योजना लागू होने जा रही है। करीब तीन साल की देरी और विवादों के बाद राज्य में इस परियोजना की शुरुआत का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली में 15 मई को केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय और राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के बीच एक समझौता जापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप इस योजना को राज्य में लागू करने पर सहमति बनी। अधिकारियों के अनुसार, बहुत जल्द इस परियोजना पर काम शुरू कर दिया जाएगा। इस योजना के तहत राज्य के हर

ब्लॉक से कम से कम एक स्कूल का चयन किया जाएगा, जिसे माॅडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। इन स्कूलों में बुनियादी ढांचे से लेकर पढ़ाई के तरीके तक व्यापक बदलाव किए जाएंगे, ताकि वे आसपास के स्कूलों के लिए उदाहरण बन सकें और छात्रों के समग्र विकास में मदद कर सकें। केंद्र सरकार ने इस योजना के लिए 27 हजार करोड़ से अधिक का बजट निर्धारित किया है, जिसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र और 40 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी। वर्ष 2027 तक समग्र शिक्षा अभियान के तहत देशभर में हजारों स्कूलों को इस योजना में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि, पहले इस योजना को लेकर राज्य की तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार ने आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है और जब राज्य भी इसमें भागीदार है, तो स्कूलों के नाम के आगे पीएमश्री जोड़ना उचित नहीं है।